

राष्ट्रीय दैनिक

स्वदेश प्रेम

रामगोपाल वर्मा की
तारीफ पर... 06

राष्ट्रीय राजधनी दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष-01

अंक-41

नई दिल्ली बुधवार, 29 जुलाई 2026

R.N.I NO : DELHIN/2022/86452

पृष्ठ- 8

मूल्य-01 रुपये

लोकसभा में संशोधन विधेयक पेश

दो महीने में जांच और तीन महीने में ट्रायल पूरा करने का प्रावधान

पेपर लीक पर सरकार सख्त, अब पांच महीने में होगा फैसला : जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने पेपर लीक और संगठित परीक्षा चोटलों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए संसद में बड़ा कदम उठाया है। लोकसभा में मंगलवार को पब्लिक एजामिनेशंस (प्रिवेशन ऑफ अनफेयर मीन्स) (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि अब पेपर लीक के मामलों में जांच से लेकर फैसले तक की पूरी प्रक्रिया अधिकतम पांच महीने में पूरी की जाएगी। सरकार छात्रों के भविष्य से किसी भी तरह का खिलवाड़ बदरस्त नहीं करेगी।

उन्होंने बताया कि यह संशोधन 2024 में लागू किए गए कानून को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए लाया गया है। प्रधानमंत्री के निर्देश पर सरकार ने परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है।



डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पेपर लीक की घटनाएं किसी एक राज्य तक सीमित नहीं हैं, बल्कि देश के विभिन्न हिस्सों में समय-समय पर ऐसे मामले सामने आते रहे हैं। सरकार का उद्देश्य ऐसी

घटनाओं पर स्थायी रोक लगाकर छात्रों का भविष्य सुरक्षित करना है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2009 के रेलवे भर्ती परीक्षा पेपर लीक और

स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट का होगा गठन

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि संशोधन विधेयक का सबसे महत्वपूर्ण प्रावधान स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट की स्थापना है। इसके तहत पेपर लीक से जुड़े मामलों की जांच दो महीने के भीतर पूरी करनी होगी, जबकि अदालत में तीन महीने के भीतर सुनवाई समाप्त कर फैसला सुनाना अनिवार्य होगा। इस प्रकार पूरी न्यायिक प्रक्रिया अधिकतम पांच महीने में पूरी हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि यदि कोई पक्ष फैसले के खिलाफ अपील करना चाहता है तो उसे 30 दिनों के भीतर अपील करनी होगी। साथ ही ऐसे मामलों की सुनवाई हाईकोर्ट में डबल बेंच के बजाय निर्धारित व्यवस्था के तहत की जाएगी।

जितेंद्र सिंह ने बताया कि विधेयक पेश होने के साथ ही कानून मंत्रालय ने स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। उन्होंने यह भी कहा कि नंदन नौलेकण टास्क फोर्स और राधाकृष्णन समिति की अधिकांश सिफारिशों को सरकार पहले ही लागू कर चुकी है। सरकार का उद्देश्य परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, विश्वसनीयता और छात्रों का विश्वास मजबूत करना है।

2012 के एम्स प्रवेश परीक्षा पेपर लीक जैसे बड़े मामले कांग्रेस शासनकाल में हुए थे। 1992 और 2010 में गठित समितियों ने केंद्रीय परीक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की सिफारिश की थी, लेकिन तत्कालीन सरकारों ने उन्हें लागू नहीं किया। वर्तमान सरकार ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) का गठन किया और 2024 में इस विषय पर व्यापक कानून लागू किया।

थी, लेकिन तत्कालीन सरकारों ने उन्हें लागू नहीं किया। वर्तमान सरकार ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) का गठन किया और 2024 में इस विषय पर व्यापक कानून लागू किया।

गुरु पूर्णिमा पर पीएम मोदी से मिलीं अर्चना गुप्ता

भाजपा हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष ने 'पुराल' से बना हस्तनिर्मित कमल किया भेंट

नई दिल्ली/चंडीगढ़। हरियाणा भाजपा की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने मंगलवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर हुई इस मुलाकात के दौरान उन्होंने हरियाणा के महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा 'पुराल' (धान के अवशेष) से तैयार हस्तनिर्मित कमल का पुष्प प्रधानमंत्री को भेंट किया। करीब आधे घंटे तक चली मुलाकात में संगठन, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक सरोकारों और विकसित भारत के संकल्प सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई।

मुलाकात के बाद डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्नेह, मार्गदर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करना उनके जीवन का सबसे गौरवपूर्ण और प्रेरणादायी क्षण है। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व संपालने के बाद वह उनके सार्वजनिक और राजनीतिक जीवन का सबसे महत्वपूर्ण अवसर रहा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करोड़ों कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत हैं और उनके नेतृत्व में देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने तथा सेवा, सुशासन



और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संदेश दिया। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उनके नेतृत्व में महिलाओं को राजनीति, अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और विज्ञान सहित हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर मिले हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में हरियाणा भाजपा संगठनात्मक रूप से और अधिक मजबूत होगा तथा महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ेगी।

अर्चना गुप्ता ने प्रधानमंत्री को जो हस्तनिर्मित कमल भेंट किया, वह हरियाणा के महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा 'पुराल' से तैयार किया गया है। यह स्मृति-चिह्न

ग्रामीण महिलाओं की आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी शिल्प और 'वोकल फॉर लोकल' अभियान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ हरियाणा की पारंपरिक कला और हस्तशिल्प को राष्ट्रीय पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

प्रदेश अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, उसे वह पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगी तथा भाजपा को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य करेंगी।

पीएम मोदी का फेसबुक अकाउंट से वीडियो हटा, मेटा ने मांगी माफ़ी

तकनीकी त्रुटि के कारण हुआ था वीडियो हटना : मेटा

नई दिल्ली, एजेंसी। सोशल मीडिया कंपनी मेटा ने स्पष्ट किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आधिकारिक फेसबुक अकाउंट से हटाया गया वीडियो किसी कानूनी कार्रवाई के कारण नहीं, बल्कि तकनीकी गड़बड़ी की वजह से हटा था। कंपनी ने वीडियो को दोबारा बहाल करते हुए इस त्रुटि के लिए स्पष्टीकरण जारी किया।

23 जुलाई को जारी इस वीडियो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं और छात्रों को संबोधित करते हुए पेपर लीक के खिलाफ सरकार की सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया था। उन्होंने कहा था कि आगामी कैबिनेट बैठक में इस मुद्दे पर महत्वपूर्ण फैसले लिए जाएंगे। वीडियो को फेसबुक पर लाखों लोग देख चुके थे।



सोमवार तड़के कुछ समय के लिए वीडियो तक पहुंच प्रतिबंधित हो गई थी। शुरुआत में 'फेसबुक पर एक नोटिस दिखाई दिया, जिसमें बताया गया था कि वीडियो किसी कानूनी अनुरोध के चलते उपलब्ध नहीं है। इसके बाद इस मामले को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाएं तेज हो गईं और कई भाजपा नेताओं ने फेसबुक की कार्रवाई पर सवाल उठाए।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश, कई इलाकों में जलभराव और जाम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार को हुई झमाझम बारिश ने लोगों को उमस से राहत तो दिलाई, लेकिन कई इलाकों में जलभराव और लंबा ट्रैफिक जाम भी देखने को मिला। दिल्ली, गुरुग्राम और नोएडा के अनेक हिस्सों में सड़कों पर पानी भरने से यातायात प्रभावित रहा। जलभराव से निपटने के लिए नगर निकायों की टीमों और पॉपिंग स्टेशन सक्रिय रहे। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने तेज हवाओं और गरज-चमक के साथ मध्यम बारिश की संभावना को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

आईएमडी के अनुसार, मंगलवार शाम और रात में भी कई स्थानों पर हल्की से मध्यम तथा कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश हो सकती है। विभाग ने बुधवार को भी बारिश की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है।

आईएमडी के अनुसार, 29 जुलाई को आसमान में बादल छाए रहेंगे और सुबह से दोपहर के बीच अधिकांश स्थानों पर

● आईएमडी का ऑरेंज अलर्ट जारी, 3 अगस्त तक रुक-रुक कर बारिश के आसार, बुधवार के लिए येलो अलर्ट



गरज-चमक के साथ हल्की तथा कुछ जगहों पर मध्यम बारिश होने की संभावना है। इस दिन अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। वहीं 30 जुलाई के लिए भी येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दिन भी हल्की से मध्यम बारिश और गरज-चमक की संभावना है। अधिकतम तापमान 31

से 33 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 31 जुलाई से 3 अगस्त तक दिल्ली-एनसीआर में रुक-रुक कर हल्की बारिश होती रहेगी। इस दौरान भारी वर्षा की संभावना कम है, लेकिन बीच-बीच में फुहारें पड़ती रहेंगी। अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री



सफदरजंग में 32.4 मिमी बारिश दर्ज

मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार सुबह साढ़े आठ बजे तक सफदरजंग मौसम केंद्र में 32.4 मिमी और रिज क्षेत्र में 37.6 मिमी बारिश दर्ज की गई। लगातार बारिश के कारण कई प्रमुख मार्गों पर जलभराव की स्थिति बन गई, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा।

सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। पूरे सप्ताह मौसम सुहावना रहने के साथ

बीच-बीच में बारिश का सिलसिला जारी रहने की उम्मीद है।

पीओजेके के चुनावों को भारत ने बताया दिखावा, कहा- 'अवैध कब्जे को वैध ठहराने की कोशिश'

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में कराए जा रहे तथाकथित विधानसभा चुनावों पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट कहा कि यह पूरी चुनावी प्रक्रिया पाकिस्तान के अवैध कब्जे को वैध ठहराने का प्रयास है और इसका कोई कानूनी या संवैधानिक आधार नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने पीओजेके



में कराए जा रहे तथाकथित विधानसभा चुनावों से जुड़ी खबरों पर ध्यान दिया है। उन्होंने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का पूरा केंद्र शासित प्रदेश, जिसमें पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले क्षेत्र भी शामिल हैं, भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है। रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान की यह चुनावी कवायद केवल उसके अवैध कब्जे पर पर्दा डालने और क्षेत्र में हो रहे गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों को छिपाने की कोशिश है।

देहरादून में 16 करोड़ का नया पुल बारिश में प्रभावित, एप्रोच रोड धंसी

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के प्रेमनगर स्थित टोंस नदी पर नंदा की चौकी के पास हाल ही में करीब 16 करोड़ रुपये की लागत से बने पुल की एप्रोच रोड भारी बारिश के बाद क्षतिग्रस्त हो गई। सड़क धंसने से इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो गई। घटना के बाद निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन



करते हुए मामले की उच्चस्तरीय जांच और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है।

लगातार हुई बारिश के कारण पुल से जुड़ी एप्रोच रोड

के पास बड़ा गड्ढा बन गया, जिससे पुल तक पहुंचने का रास्ता बाधित हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाल ही में उद्घाटन किए गए इस पुल को यदि मानसून की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बनाया गया होता तो इतनी जल्दी ऐसी स्थिति नहीं बनती।

हालांकि, जिलाधिकारी आशीष चौहान ने स्पष्ट किया कि पुल के मुख्य ढांचे को कोई

नुकसान नहीं पहुंचा है। उन्होंने बताया कि क्षतिग्रस्त एप्रोच रोड की मरम्मत का कार्य तत्काल शुरू करा दिया गया है। प्रशासन का कंट्रोल रूम पहले से सक्रिय था और अतिरिक्त टीमों मौके पर तैनात कर दी गई हैं। वरिष्ठ अभियंता मरम्मत कार्य की निगरानी कर रहे हैं।

घटना के बाद कांग्रेस नेता संग्राम सिंह पुंडीर के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया।

पंजाब में छह पेपर लीक पर क्यों है खामोश : स्वाति मालीवाल

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर पंजाब में कथित पेपर लीक मामलों को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि पिछले पांच वर्षों में पंजाब में छह बड़े पेपर लीक हुए, लेकिन इस मुद्दे पर अरविंद केजरीवाल चुपी साधे हुए हैं।



देवेंद्र यादव ने किया SIA सहयोग केंद्र का उद्घाटन, बाबरपुर में संगठन सशक्तिकरण को मिली नई दिशा

स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी
नई दिल्ली, 28 जुलाई 2026।

उत्तर पूर्वी बाबरपुर जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में मंगलवार को रक्त सहयोग केंद्र का भव्य उद्घाटन दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री देवेंद्र यादव ने किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में बाबरपुर जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में कांग्रेस समर्थकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान संगठन की और अधिक मजबूत बनाने, जनसेवा को प्राथमिकता देने तथा लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प दोहराया गया।

उद्घाटन समारोह की शुरुआत वरिष्ठ नेताओं के स्वागत से हुई। इसके बाद देवेंद्र यादव ने फीता काटकर रक्तसहयोग केंद्र का शुभारंभ किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने संगठन की मजबूती और जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

अपने संबोधन में देवेंद्र यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से आम जनता की आवाज उठाने वाली पार्टी रही है और SIA सहयोग केंद्र उसी विचारधारा को आगे बढ़ाने का



एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा कि यह केंद्र संगठन और समाज के बीच मजबूत सेतु का कार्य करेगा तथा आम नागरिकों की समस्याओं को सुनने, उनका समाधान कराने और आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराने का माध्यम बनेगा।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं, छात्रों, महिलाओं और जरूरतमंद नागरिकों को सही जानकारी एवं सहयोग की आवश्यकता है। SIA सहयोग केंद्र इन सभी वर्गों को



सहायता उपलब्ध कराने के साथ-साथ सरकारी योजनाओं और जनहित से जुड़े विषयों पर भी मार्गदर्शन देगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझें और उनके समाधान के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करें।

इस अवसर पर बाबरपुर जिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष राज कुमार जैन ने कहा कि रक्तसहयोग केंद्र संगठन सुजन अभियान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल



है। उन्होंने कहा कि यह केंद्र क्षेत्र के लोगों के लिए सहायता, मार्गदर्शन और जनसंपर्क का प्रमुख केंद्र बनेगा, जहां आम नागरिक अपनी समस्याओं के समाधान के लिए संपर्क कर सकेंगे। राज कुमार जैन ने SIA अभियान से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण प्रश्नों का विस्तारपूर्वक उत्तर देते हुए इसकी आवश्यकता और उद्देश्य को स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि केंद्र का मुख्य उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना, जनता के बीच कांग्रेस की सक्रिय भागीदारी

सुनिश्चित करना तथा युवाओं, छात्रों, महिलाओं और जरूरतमंद नागरिकों तक सहयोग पहुंचाना है। उनके स्पष्ट, तथ्यपूर्ण और प्रभावशाली उत्तरों की कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं और नेताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का उद्देश्य केवल चुनावी राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचकर उनकी समस्याओं के समाधान में सहभागी बनना भी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि रक्तसहयोग केंद्र संगठन और जनता के बीच संवाद को मजबूत करेगा तथा जनसेवा की भावना को और अधिक प्रभावी बनाएगा।

समारोह में बाबरपुर जिला कांग्रेस कमेटी के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में संगठन की एकजुटता, जनसेवा और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का सामूहिक संकल्प लिया गया। नेताओं ने विश्वास जताया कि रक्तसहयोग केंद्र आने वाले समय में बाबरपुर क्षेत्र के लोगों के लिए एक प्रभावी सहायता एवं मार्गदर्शन केंद्र के रूप में स्थापित होगा तथा कांग्रेस के संगठन सुजन अभियान को नई गति प्रदान करेगा।

सक्षिप्त समाचार

15 हजार रुपये में फर्जी किसान बन

आरोपी ने डेढ़ करोड़ की जमीन का किया था बैनामा, गिरफ्तार

मोहनलालगंज।सिसेंडी में डेढ़ करोड़ रुपये की जमीन का फर्जी बैनामा करने के आरोप में पुलिस ने हरीलाल को गिरफ्तार किया है। हरीलाल ने मात्र 15 हजार रुपये लेकर खुद को फर्जी किसान दर्शाया था। इस्पेक्टर रामबाबु ने बताया कि आजमगढ़ के रस्तीपुर निवासी हरीलाल को रविवार को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। सिसेंडी निवासी आशीष कुमार गुप्ता ने राजेश कुमार जायसवाल, उसके बेटे अमन जायसवाल, सन्नो खान, मो. इजहार खान, वीरेंद्र वर्मा, सुनील कुमार, वासु शुक्ला और हरीलाल पर फर्जीवाड़े की एफआईआर दर्ज कराई थी। जांच में हरीलाल ने खुद को सुरेश कुमार दर्शाकर कृषि भूमि का बैनामा करना स्वीकार किया। उसने बताया कि यह फर्जीवाड़ा पूर्व प्रधान राजेश कुमार जायसवाल के कहने पर किया था। उसने अब तक छह फर्जी बैनामों पर हस्ताक्षर करने की बात भी कबूली। पुलिस अब अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है।

एक्सपायर तेल की जांच दो सप्ताह

बाद भी अधूरी

बरेली। खाद्य विभाग की तरफ से परसाखेड़ा स्थित नमकीन फैक्टरी में दो सप्ताह पहले पकड़े गए एक्सपायर तेल की जांच अब तक पूरी नहीं हो सकी। इस वजह से रिपोर्ट को न्यायालय में पेश नहीं किया जा सका। विभाग का दावा है कि मौके से लिए गए नमकीन के नमूने की जांच रिपोर्ट व विवेचना साथ में प्रस्तुत की जाएगी। खाद्य विभाग की टीम ने 12 जुलाई की शाम को परसाखेड़ा स्थित दो नमकीन फैक्टरियों पर छापा मारा था। आलम फूड प्रोडक्ट्स (जीएस ब्रांड नमकीन) में नमकीन निर्माण के लिए 89 टिन में रखे 1,385 किलो रिफाईंड पामोлин तेल की एक्सपायरी मई 2026 पाई गई। स्टॉक को जब्त कर मिलावट की आशंका में नमकीन का एक नमूना जांच के लिए भेजा गया है। खाद्य विभाग की जांच में पता लगा कि श्यामगंज स्थित जय ट्रेडिंग कंपनी से तेल की आपूर्ति की गई थी। तेल के टिन पर बेव नंबर भी नहीं था। खाद्य विभाग की तरफ से पूरे प्रकरण की विवेचना करके एक सप्ताह में रिपोर्ट को न्यायालय में प्रस्तुत करने का दावा किया जा रहा था, पर ऐसा नहीं हो सका।

पीएम विद्या डीटीएच के लिए वीडियो

बनाएंगे विज्ञान शिक्षक राजीव

अलीगढ़। केंद्र सरकार की पीएम विद्या डीटीएच टीवी चैनल पहले के तहत विद्यार्थियों तक गुणवत्तापूर्ण डिजिटल शिक्षा पहुंचाने में अब अलीगढ़ का नाम भी जुड़ गया है। नौरंगीलाल राजकीय इंटर कॉलेज के विज्ञान शिक्षक राजीव कुमार अग्रवाल का शैक्षिक वीडियो निर्माण प्रशिक्षण के लिए चयन हुआ है। प्रशिक्षण के बाद वे पीएम विद्या डीटीएच चैनलों के लिए शैक्षिक वीडियो तैयार करेंगे, जिनका लाभ प्रदेश ही नहीं बरिक्त देशभर के विद्यार्थियों को मिलेगा। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), उत्तर प्रदेश की ओर से 10 से 14 अगस्त 2026 तक निशातगंज, लखनऊ स्थित गंगा सभागार में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें एनसीईआरटी, नई दिल्ली के विशेषज्ञ शिक्षकों को शैक्षिक वीडियो निर्माण, डिजिटल कंटेंट डेवलपमेंट, प्रस्तुतीकरण और प्रसारण की आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण देगे डीआईओएस डॉ. पूरन सिंह ने राजीव अग्रवाल को बधाई दी है।

मंदिर गए रेलकर्मों के घर चोरी, गहने

और 80 हजार रुपये उड़ाए

गोरखपुर। शाहपुर क्षेत्र की कौआबाग रेलवे कॉलोनी में चोरी ने दिग्दहाई एक रेलकर्मों के बंद मकान को निशाना बनाया। परिवार के साथ मंदिर में पूजा करने गए रेलकर्मों के घर का ताला तोड़कर चोर अंदर घुसे और अलमारी में रखे सोने, चांदी व हीरे के गहनों के साथ 80 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए। कौआबाग रेलवे कॉलोनी निवासी रेलकर्मों राकेश सिंह रविवार दोपहर करीब 12 बजे परिवार के साथ मानीराम स्थित दुर्गा मंदिर में पूजा करने गए थे। शाम को जब वह लौटे तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। दरवाजा खुला था और घर के अंदर सामान बिखरा पड़ा था। राकेश सिंह ने अंदर जाकर जांच की तो अलमारी से गहने और नकदी गायब मिली। इसके बाद उन्होंने घटना की सूचना डायल- 112 पर दी। सीओ गोरखनाथ रवि सिंह ने बताया कि मामले की जांच की रही है। रेलवे कॉलोनी में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से कर्मचारियों और उनके परिवारों में चिंता बढ़ गई है। पिछले दो माह के भीतर कॉलोनी में चोरी की यह तीसरी वारदात बताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चोर बंद पड़े आवासों को निशाना बना रहे हैं लेकिन अब तक किसी भी घटना का खुलासा नहीं हो सका है।

ताजमहल के बाहर बेखौफ चोर, पर्यटकों की कारों के शीशे तोड़े; बैग और मोबाइल कर ले गए चोरी

आगरा। ताज का दीदार करने आने वाले पर्यटकों के वाहनों को चोर निशाना बना रहे हैं। रविवार को पश्चिमी गेट पार्किंग और फतेहबाद रोड पर एक रेस्तरां के बाहर पर्यटकों की कार के शीशे तोड़ दिए गए। इसके बाद बैग चुरा ले गए। सूचना पर पुलिस पहुंची। पश्चिमी गेट पार्किंग से चोरी हुआ बैग एक ऑटो चालक को मिल गया जबकि दूसरे का पता नहीं चला। पुलिस सीसीटीवी कैमरे के फुटेज की मदद से आरोपी की तलाश में लगी है।

पहली घटना पश्चिमी गेट पार्किंग में हुई। अलवर, राजस्थान निवासी रमन कुमार वर्मा ने पुलिस को बताया कि रविवार सुबह करीबन 11:30 बजे वो परिवार संग ताजमहल आए थे। उन्होंने अपनी कार को पश्चिमी गेट पार्किंग में खड़ी की। ताजमहल भ्रमण के बाद लौटने पर उन्हें कार का पिछला शीशा टूटा मिला। कार में

रखा उनकी भाभी का बैग गायब था। इसमें कपड़े सहित अन्य सामान रखे थे। यह देखकर उन्होंने पुलिस को जानकारी दी। पार्किंग में पुलिस भी रहती है। पीड़ित ने पुलिस की सक्रियता पर सवाल उठाए। हालांकि बाद में बैग मिल जाने पर उन्होंने शिकायत वापस ले ली।

अन्य मामले में पाली, राजस्थान निवासी चित्ररंजन गुप्ता परिवार सहित आगरा आए थे। वह ताज का दीदार करने के बाद फतेहबाद रोड स्थित एक रेस्तरां में खाना खाने आए थे। उन्होंने कार को रेस्तरां के बाहर खड़ा कर दिया। इसके बाद अंदर चले गए। कुछ देर बाद आए तो कार का साइड का शीशा टूटा हुआ था। महिला का पर्स गायब था। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों को चेक किया। इसमें एक युवक नजर आया। पुलिस ने सर्विलांस की मदद से लोकेशन चेक की।

नई एसआईटी निकाल सकती है कुछ नए साक्ष्य

अब बदल जाएगी मंदिर में दर्शन व्यवस्था

लखनऊ, एजेंसी। राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में गठित नई एसआईटी जांच की परत-दर-परत समीक्षा करेगी। डीआईजी और एसएसपी के जुड़ने से सुपरविजन मजबूत होगा। माना जा रहा है कि जल्द ही नई एसआईटी के अध्यक्ष की मौजूदगी में बैठक करके आगे की रणनीति तय की जाएगी। दान पेटिकाओं से चोरी के मामले में रामजन्मभूमि थाने में रिपोर्ट दर्ज है। सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी इस मामले की विवेचना कर रहे हैं। 20 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में इस मामले सुनवाई हुई थी, जिसमें न्यायाधीश ने आईपीएस अधिकारी के नेतृत्व में मामले की जांच के लिए नई कमेट्री गठित करने का निर्देश दिया था। नई एसआईटी के इंतजार में मामले की पुलिस जांच धीमी पड़ गई थी। शनिवार को ही सरकार ने नई एसआईटी गठित की है। इसमें लखनऊ के आईजी किरण एस के साथ ही अयोध्या रेंज के डीआईजी सोमेन बर्मा और एसएसपी डॉ. गौरव ग़ोवर को भी शामिल किया गया है। अब टीम के गठन के बाद लंबित बिंदुओं पर तेजी से कार्रवाई होने की संभावना है।

आरोपी और गवाहों से फिर हो सकती है पूछताछ : सूत्रों के अनुसार, एसआईटी सबसे पहले अब तक की केस डायरी, धारा 161 बीएनएसएस के तहत दर्ज बयान, पुलिस मिमांड के दौरान प्राप्त तथ्यों, जल्ती मेमो, बरामदगी, सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल डेटा, सीडीआर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का मिलान करेगी। यदि किसी कड़ी में कमी या विरोधाभास मिलता है तो संबंधित गवाहों और



आरोपियों से दोबारा पूछताछ की जा सकती है। वहीं, डीआईजी के जुड़ने से विवेचना की सुपरविजन नोट के माध्यम से समय-समय पर समीक्षा होगी। जबकि एसएसपी के होने से सर्विलांस, साइबर सेल, तकनीकी प्रकोष्ठ और स्थानीय पुलिस के बीच बेहतर समन्वय रहेगा। इससे तकनीकी और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों का परस्पर मिलान अधिक प्रभावी ढंग से हो सकेगा।

जांच व्यापक होने की संभावना : सूत्रों के अनुसार, एसआईटी यह भी देखेगी कि अब तक जुटाए गए साक्ष्य न्यायालय में अभियोजन की कसौटी पर कितने मजबूत हैं। यदि किसी बिंदु पर साक्ष्य की श्रृंखला कमजोर पाई जाती है तो उसे मजबूत करने के लिए अतिरिक्त दस्तावेज, डिजिटल डेटा या विशेषज्ञों की राय भी ली जा सकती है। वहीं,

किराना कारोबारी से लूट के मामले में तीन सद्विध हिरासत में

लखनऊ, एजेंसी। इंदिरानगर अमराई गांव में शुक्रवार रात किराना कारोबारी उमेश के घर लूटपाट के मामले में पुलिस को अब तक कोई खास सफलता नहीं मिली है। पुलिस ने शक के आधार पर तीन सद्विधों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। सीसीटीवी कैमरों में भी कुछ सद्विध नजर आए हैं, जिनकी पहचान करने में पुलिस जुटी है।

डीसीपी पूर्वी दीक्षा शर्मा ने लुट्टरों की धर-पकड़ के लिए चार टीमें बनाई हैं। एक टीम सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है, जिसमें बाइक सवार और पैदल सद्विध दिखे हैं। पीड़ित उमेश और उनके परिवार को पेशेवर लुट्टरों की तकवीरें दिखाई गईं, पर वे किसी को पहचान नहीं पाए। डीसीपी ने बताया कि पीड़ित ने अभी तक लुटेरे गए माल की जानकारी नहीं दी है। पुलिस को एक टीम लुट्टरों की तलाश में बारबंकी और सीतापुर भी भेजी गई है। क्राइम ब्रांच ने घटनास्थल के पास के मोबाइल टॉवर से सद्विध नंबरों की सूची निकाली है। सर्विलांस सेल की टीम इन नंबरों की जांच कर रही है।

आदर्श व्यापारी एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी और इंदिरा नगर अध्यक्ष आकाश ने रविवार को कारोबारी उमेश चंद्र गुप्ता से अस्पताल में मुलाकात की और उनका हाल जाना। एसोसिएशन ने पुलिस



प्रशासन से 24 से 48 घंटे के अंदर आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की है। इस मौके पर सचिव सुनील रावत, उप सचिव आशुतोष अवधवाल, विशिष्ट सदस्य इंद्रेश बागुणैय और हृदयगाम सोनी भी मौजूद थे।

इंदिरानगर के अमराई गांव में शुक्रवार देर रात नकाबपोश और हथियारबंद बदमाशों ने उमेश के घर धावा बोला था। बदमाशों ने उमेश, उनकी पत्नी शांति और बेटी सीमा पर धारदार हथियार से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। वे घर से कुछ सामान भी लूट ले गए थे। इस मामले में पुलिस ने चोरी के दौरान मारपीट की धारा में एफआईआर दर्ज की है। अधिकारियों को समय पर सूचना न देने के कारण नाइट ऑफिसर नागेंद्र कुमार और मुंशी दिव्या को लंबितबि गठित किया गया।

3 मिनट में 30 सवाल हल, आशीष से पीएम ने किया ऑनलाइन संवाद; विश्व के सबसे ऊंचे डाकघर से जुड़े अनुभव किए साझा

वाराणसी, एजेंसी। जौनपुर के बदलापुर विकास खंड के तियरा गांव निवासी आशीष सोनी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम में सात मिनट तक संवाद किया। आशीष ने 3 मिनट में 30 सवाल हल किए थे। इसके आधार उन्हें सात जून को भारत चाइना बॉर्डर पर जाने का मौका मिला था। इस दौरान मिले अनुभव को उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ साझा किया। आशीष सोनी ने बताया कि विकासित वाकब्रेट विलेज कार्यक्रम के तहत हिमाचल प्रदेश के हिल्कम स्थित विश्व के सबसे ऊंचे डाकघर के अनुभव साझा किए।

इस दौरान सीमावर्ती क्षेत्रों में डिजिटल इंडिया की पहुंच और आर्थिक विकास पर चर्चा हुई। आशीष सोनी देशभर से चयनित 403 युवा प्रतिभागियों में से एक हैं। उनका चयन एक राष्ट्रव्यापी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता से हुआ था।



यह प्रतियोगिता युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संस्था सेल युवा भारत की ओर से गृह मंत्रालय एवं भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के सहयोग से आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में लगभग 2.7 लाख युवाओं ने भाग लिया।

30 सवाल 3 मिनट में कर दिए थे हल : आशीष ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 30 सवाल उन्होंने 3 मिनट में हल कर दिए थे। इसी आधार पर उनका उनका चयन हुआ था।

उन्होंने प्रधानमंत्री को बताया कि हिल्कम डाकघर से उन्हें एक पत्र भेजा था। आशीष ने साझा किया कि 15,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर भी क्यूआर कोड आधारित डिजिटल भुगतान प्रणाली कार्यशील थी। यह डिजिटल इंडिया की सीमावर्ती क्षेत्रों तक गहरी पहुंच दर्शाता है।

उन्होंने सर्वय सहयता समूहों के साथ काम करने और ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने के अनुभव भी बताए। आशीष ने चिचम पुल का महत्व बताया। कहा कि इस पुल से क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों और रात्रिकालीन पर्यटन को बढ़ावा मिला। प्रधानमंत्री ने सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास में ऐसी संरचनाओं की भूमिका को सराहना की। कहा कि प्रधानमंत्री के साथ यह संवाद उनके जीवन का अविसरणीय क्षण है। यह अनुभव उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित करता रहेगा।

403 युवाओं में जौनपुर से इक्कलौते आशीष : यह कार्यक्रम 3 जून से 30 जून तक हुआ था। इसमें देश के 245 जनपदों का प्रतिनिधित्व करने वाले 403 युवाओं ने लद्दाख, हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड की 74 वाकब्रेट सीमावर्ती ग्राम पंचायतों में अनुभव प्राप्त किया। इसमें जौनपुर से आशीष सोनी भी सम्मिलित रहे।

आशीष सोनी ने बताया कि प्रधानमंत्री ने उनसे सात मिनट में चार सवाल किए थे। एक सवाल यह भी था कि सबसे आश्चर्यजनक आपके लिए क्या था। इस पर मैंने बताया कि 15000 फीट की ऊंचाई से क्यूआर कोड से स्कैनर से भुगतान करना और साथ ही फाइव जी इंटरनेट का उपयोग करते हुए वीडियो कॉल पर माता-पिता से बातचीत करना आश्चर्यजनक रहा। उन्होंने प्रधानमंत्री को दुनिया के सबसे ऊंचे डाकघर हिल्कम से पत्र लिखा और उनका आभार व्यक्त किया।

आगरा, एजेंसी। विटामिन डी, कैल्शियम की कमी और बढ़ता वजन युवाओं के जोड़ों को कमजोर कर रहा है। लंबे समय तक ऐसी स्थिति से गठिया की दिक्कत बन रही है। बीमारी से बचाव के लिए आगरा आर्थोपेडिक सोसाइटी अगले महीने से आगरा मूक्स बेटर अभियान शुरू करेगा। जागरूकता कार्यक्रम कर लोगों को जानकारी दी जाएगी।

हरीपर्वत स्थित होटल में बैठक करते हुए सचिव डॉ. संजय चतुर्वेदी ने बताया कि मोटापा, व्यायाम न करना, फास्टफूड और खराब दिनचर्या के कारण युवाओं में जोड़ुदरद, सूजन और मांसपेशियों की परेशानी मिल रही है। 30-35 की उम्र में भी गठिया मिल रही है। महिलाओं की संख्या अधिक बढ़ रही है। अध्यक्ष डॉ. अतुल कुलश्रेष्ठ ने बताया कि चार अगस्त से राष्ट्रीय बोन एंड जॉइंट दिवस से आगरा मूक्स बेटर अभियान शुरू कर रहे हैं। इसमें



कॉलेज, सोसाइटी, पार्क समेत विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम कर बीमारी से बचाव के लिए जागरूक करेंगे। अभियान के अध्यक्ष डॉ. डीवी शर्मा ने बताया कि इसमें खानपान, व्यायाम और वजन नियंत्रित रखने आदि के बारे में जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम में डॉ. अशोक विज, डॉ. अनुपम गुप्ता, डॉ. संजीव बोरा, डॉ. अमित अग्रवाल, डॉ. मनोज शर्मा और डॉ. मानवेंद्र शर्मा आदि मौजूद रहे।

एटीएम में प्लेट लगाकर धोखाधड़ी करने वाले 6 गिरफ्तार, शटर के पास पड़ी लगाते थे

वाराणसी, एजेंसी। भेलूपुर थाना पुलिस ने एटीएम मशीन में प्लेट लगाकर ग्राहकों के रुपये फंसेाने और बाद में चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बीएचयू कॉलोनी के बैजनास्था-बिरदोपुर क्षेत्र से सभी आरोपियों को दबोचा। उनके कब्जे से 39,800 रुपये, चोरी में इस्तेमाल होने वाली चार लोहे की प्लेटें, सफेद टेप और काले रंग का मोटा कागज बरामद किया गया है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान फतेहपुर जिले के मलवां थाना क्षेत्र निवासी हिमांशु सिंह, आदर्श कुमार, सचिन कुमार, अभय राजपूत, राजकुमार और प्रिंस कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, गिरोह काफी समय से एटीएम में तकनीकी छेड़छाड़ कर लोगों को निशाना बना रहा था। डीसीपी काशी गौरव बंसवाल ने बताया कि आरोपी एटीएम मशीन के कैश डिस्पेंसर (शटर) के पास विशेष प्रकार की लोहे की पट्टी लगा देते थे। जब कोई ग्राहक पैसे निकालता था तो नकदी उसी पट्टी में फंस जाती थी। ग्राहक पैसे न निकलने पर एटीएम से चला जाता था और बाद में आरोपी मौके पर पहुंचकर पैसे हुए रुपये निकाल लेते थे। बरामद लोहे की प्लेटें, टेप और काला मोटा कागज इसी वारदात को अंजाम देने में इस्तेमाल किए जाते थे।

मामले का खुलासा तब हुआ जब हिटाची कंपनी के चैनल एजीक्यूटिव सत्येंद्र शर्मा ने भेलूपुर थाने में तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई। उनकी कंपनी भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एटीएम के संचालन का कार्य देखती है। शिकायत के अनुसार, 23 जुलाई की रात ककरमत्ता स्थित एसबीआई एटीएम में भी इसी तरीके से रुपये चोरी किए गए थे।

राम मंदिर में ऑनलाइन दान करते ही अब भक्तों को तुरंत रसीद, चढ़ावा चोरी प्रकरण के बीच पारदर्शिता पर जोर

अयोध्या, एजेंसी। चढ़ावा चोरी प्रकरण के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने दान व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। अब ट्रस्ट की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन दान करने वाले श्रद्धालुओं को तत्काल डिजिटल रसीद उपलब्ध कराई जा रही है। दान की प्रक्रिया पूरी होते ही रसीद डाउनलोड कर सकते हैं, जिससे दान का रिकॉर्ड तत्काल श्रद्धालु के पास उपलब्ध रहेगा। ट्रस्ट ने अपनी वेबसाइट के डोनेशन सेक्शन को अपडेट करते हुए यह सुविधा शुरू की है। ऑनलाइन दान करने के लिए श्रद्धालु को अपना नाम, दान का उद्देश्य, पैरा नंबर, दान की तिथि, दान राशि, पता, राज्य, जिला, देश, पिनकोड, ई-मेल आईडी और मोबाइल नंबर दर्ज करना होगा। अंत में डोनेशन रसीद सबमिट करते ही सिस्टम डिजिटल रसीद जारी कर देगा, जिसे डाउनलोड और सुरक्षित रखा जा सकेगा। ट्रस्ट ने वेबसाइट पर श्रद्धालुओं की



सुविधा के लिए मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी भी सार्वजनिक कर दिए हैं, ताकि दान संबंधी किसी भी समस्या या श्रद्धालुओं का समाधान आसानी से हो सके। सूत्रों के अनुसार, चढ़ावा चोरी की घटना सामने आने के बाद कई श्रद्धालुओं ने दान की रसीद समय पर उपलब्ध न होने की शिकायत की थी। इसी को ध्यान में रखते हुए ट्रस्ट ने डिजिटल रसीद की तत्काल व्यवस्था लागू की है। इसके साथ ही मंदिर परिसर में ऑफलाइन दान करने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को भी अनिवार्य रूप से रसीद देने की

व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। ट्रस्ट का मानना ​​है कि नई व्यवस्था से श्रद्धालुओं का विश्वास और मजबूत होगा तथा भविष्य में दान के रिकॉर्ड के सत्यापन में भी आसानी रहेगी।

फिर लौटी रफ्तार, रोजाना 10 लाख से अधिक का चढ़ावा

चढ़ावा चोरी प्रकरण के बाद कुछ समय के लिए दान की रफ्तार प्रभावित हुई थी, लेकिन अब श्रद्धालुओं का भरोसा दोबारा मजबूत होता दिखाई दे रहा है। सूत्रों के अनुसार, श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यमों से प्रतिदिन 10 लाख से अधिक का दान प्राप्त हो रहा है। मंदिर परिसर में स्थापित दान पात्रों में भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में नकद राशि अर्पित कर रहे हैं, जबकि ऑनलाइन दान का आंकड़ा भी लगातार बढ़ रहा है। हालांकि, ट्रस्ट ने आधिकारिक तौर पर दैनिक दान के आंकड़े जारी नहीं किए हैं।

30 से 35 की उम्र में ही गठिया का खतरा! विटामिन–डी, कैल्शियम की कमी; मोटापा बन रहा बड़ी वजह

हरियाणा में 5 जिलों में तेज बारिश, 16 में अलर्ट: गुरुग्राम में रोड पर 2 फीट पानी भरा

हरियाणा (एजेंसी)। करंट से 2 कुत्ते-बछड़े की मौत हरियाणा में मौसम विभाग ने दो दिन तेज बारिश की चेतावनी जारी की है। मंगलवार सुबह यमुनानगर, पंचकूला और फरीदाबाद में तेज बारिश हुई। दोपहर को गुरुग्राम और भिवानी में भी तेज बारिश गई। दोपहर साढ़े 12 बजे जारी बुलेटिन के अनुसार, अगले तीन घंटों में प्रदेश तीन जिलों झज्जर, बहादुरगढ़, रोहतक में भारी बारिश का अनुमान बताया है। इसके अलावा सोनीपत, भिवानी, चरखी दादरी में मध्यम और हिसार, फतेहाबाद, जींद, हंसी, महेंद्रगढ़, नारनौल, रेवाड़ी, गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल और नूंह में हल्की बारिश हो सकती है। उधर, बारिश की वजह से गुरुग्राम और फरीदाबाद में घटनाएं भी



देखने को मिलीं। गुरुग्राम में जहां मुख्य मार्ग पर रोड दो-दो फीट तक भारी भर गया, जिससे लोगों को परेशानी हुई। वहीं, फरीदाबाद की डबुआ कॉलोनी में मॉडर्न तक्षशिला स्कूल के पास हुए भरे पानी में ट्यूबवेल से करंट आ गया। इसकी चपेट में आने से दो कुत्ते और एक बछड़े की मौत हो गई। पता चलने पर लोगों ने बिजलीघर घर कॉल कर

सप्लाई बंद कराई। आधा मानसून सीजन बीत चुका है। मगर, अब तक 134.8 मिमी बारिश हुई है। यह सामान्य से 27% कम है। जून के बाद जुलाई में भी कम बारिश हुई है। जुलाई में अब तक 95.8 मिमी. बारिश हुई है, जो सामान्य (130.2 मिमी.) से 26% कम है। IMD के मुताबिक, 1 जून से 26 जुलाई 2026 तक कुछ जिलों में



सामान्य या उससे अधिक बारिश हुई है, जबकि कई जिले अब भी सामान्य से काफी कम वर्षा का सामना कर रहे हैं। महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल, भिवानी, फतेहाबाद, कुरुक्षेत्र, करनाल और चरखी दादरी समेत कई जिलों में मानसूनी बारिश सामान्य श्रेणी में रही है। महेंद्रगढ़ में 185.7 मिमी बारिश दर्ज हुई, जो सामान्य से 3%

अधिक है। वहीं रेवाड़ी में 173 मिमी, चरखी दादरी में 175 मिमी और पलवल में 168.6 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। कई जिलों में अब भी बारिश का बड़ा घाटा बना हुआ है। सबसे खराब स्थिति जींद और सिरसा की है। जींद में अब तक केवल 65.2 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य से 62% कम है। सिरसा में 42.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जो

सामान्य से 62% कम है। इसके अलावा रोहतक और अंबाला में 61-61%, कैथल में 47%, सोनीपत में 38%, हिसार में 35% और यमुनानगर में 34% कम बारिश दर्ज की गई है। डीसी ने आमजन से अपील की है कि बारिश के दौरान अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें। यदि किसी जरूरी कार्य से बाहर जाना पड़े तो पूरी सावधानी बरतें और जलभराव वाले क्षेत्रों, नालों तथा कमजोर भवनों या ढाँचों के आसपास जाने से बचें। पेड़ों, बिजली के खंभों और होर्डिंग्स से रहें दूर प्रशासन ने लोगों को सलाह दी है कि तेज बारिश के दौरान बड़े पेड़ों, बिजली के खंभों और ढीले होर्डिंग्स के नीचे खड़े न हों।

संक्षिप्त डायरी रेवाड़ी में ओवरब्रिज से गिरने से रिटायर्ड सैनिक की मौत

रेवाड़ी (एजेंसी)। सैनिक स्कूल के पास आरओबी से नीचे गिरने से गांव मामाड़िया आसमपुर के पूर्व सैनिक की मौत हो गई। सूचना से गांव में मातम छा गया। रात को ड्यूटी से घर लौटते समय अज्ञात वाहन की टक्कर से हादसा हुआ। मृतक के परिवार में पत्नी के अलावा 3 बेटियों में छोटी 10 और बड़ी 15 साल की है। सूचना के बाद खेल थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गांव मामाड़िया आसमपुर के 46 वर्षीय मुकेश कुमार मिल्ट्री से रिटायर थे। सेवानिवृत्ति के बाद हरियाणा पुलिस में ग्रुप डी की नौकरी मिली। फिलहाल भौंडीसी पुलिस लाइन में ड्यूटी थी। सोमवार शाम मुकेश ड्यूटी से घर के निकले। रेवाड़ी-नारनौल हाईवे से होते हुए गोठड़ा गांव पहुंचे। जहां से सैनिक स्कूल के पास बने आरओबी से पैदल गांव की तरफ जा रहे थे। वाहन ने पीछे से मारी टक्करबताया जाता है कि इसी दौरान रात करीब 12 बजे अज्ञात वाहन ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से आरओबी से नीचे सर्विस रोड पर जाकर गिरे। गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोग और राहगीर मौके पर पहुंचे। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए घटना की सूचना पुलिस को दी और घायल को अस्पताल पहुंचाया। जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। रेवाड़ी नारनौल रोड पर चौकी नंबर 11 ओवर ब्रिज (नियर सैनिक स्कूल गोठड़ा) से एक लड़का 12 बजे रात को नीचे गिर गया। युवक मुकेश पुत्र गणेशी लाल उम्र 46 साल गांव मामाड़िया आसमपुर थाना खेल जो आईआरबी फर्स्ट बटालियन गुडगांव में डी ग्रुप नौकरी करता परिजन एम्बुलेंस द्वारा सरकारी हॉस्पिटल रेवाड़ी लेकर गए, जो डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना के बाद खेल थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्यवाही शुरू कर दी है। तीन बेटियों के पिता मुकेश 2018 में मिल्ट्री से रिटायर हुए थे। आठ माह पहले ही हरियाणा पुलिस में ग्रुप डी में भौंडसी जॉइन किया था। तीन भाईयों में मुकेश सबसे छोटे हैं। बीच के भाई की पहले ही मौत हो चुकी है। मुकेश की तीन बेटियां हैं। जिनमें बड़ी 15 और छोटी 10 साल की है। बीच की बेटी 12 साल की है।

जाट जोशी में ही बनेगा बस अड्डा, खुला रास्ता

सोनीपत(एजेंसी)। गांव जाट जोशी के पास नए बस अड्डे के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। परिवहन विभाग ने करीब एक माह पहले केएमपी एक्सप्रेस वे के आसपास जमीन तलाशने के आदेश दिए थे। इसके बाद उपायुक्त ने एसडीएम के नेतृत्व में एक समिति का गठन किया था हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम (एचएसआईआईडीसी) ने बस अड्डे के लिए जमीन देने से इन्कार कर दिया था। एचएसआईआईडीसी ने बताया कि संबंधित भूमि पर सेक्टर-29 के विकास और अधिग्रहण से जुड़े अनेक मामलों की सुनवाई पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में चल रही है। इन मामलों में हाईकोर्ट की ओर से यथास्थिति बनाए रखने के आदेश जारी किए गए हैं। ऐसे में एचएसआईआईडीसी ने स्पष्ट किया था कि न्यायालय के अंतिम निर्णय से पहले उक्त भूमि किसी अन्य परियोजना के लिए उपलब्ध कराना संभव नहीं है। एचएसआईआईडीसी की रिपोर्ट मिलने के बाद एसडीएम ने अपनी अंतिम रिपोर्ट उपायुक्त नेहा सिंह को सौंप दी थी। इसी बीच 22 जुलाई को विधायक निखिल मदान ने परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजा शेखर वुंडरू और निदेशक वीरेंद्र दहिया से चर्चा की थी। यह चर्चा सोनीपत में बने वाले बस स्टैंड को लेकर हुई थी। उस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बताया कि विभाग ने राष्ट्रीय राजमार्ग-11 पर जाट जोशी की जमीन पर नया बस स्टैंड बनाने का फैसला किया है। इस परियोजना के लिए दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टी मॉडल ट्रांजिट सिस्टम (डीआईएमटीएस) को डीपीआर तैयार करने के आदेश दिए गए हैं। यह निर्णय बस अड्डे के निर्माण में आ रही बाधा को दूर करेगा। भूमि उपयोग और सुविधाएंजाट जोशी में परिवहन विभाग अपनी 6.33 एकड़ भूमि पर बस अड्डे का निर्माण करेगा। बाकी तीन एकड़ जमीन पर इलेक्ट्रिक बस चार्जिंग स्टेशन बनाया जाएगा। नई सुविधाओं को भी यहां उपलब्ध कराया जाएगा। यह नया बस अड्डा क्षेत्र में परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ करेगा। इससे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और इलेक्ट्रिक बसों को बढ़ावा मिलेगा।

खुले में कचरा फेंकने पर नप सफाई के खर्च का दोगुना वसूलेगी जुमाना

सोनीपत(एजेंसी)। नगर परिषद शहर में सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फैलाने वालों से सख्ती से निपटेगा। इसके लिए नगर निकाय मुख्यालय ने 'पोल्यूट पे प्रिंसिपल एक्ट' लागू किया है। यह व्यवस्था घर-घर से कचरा उठाने का कार्य शुरू होने के बाद लागू होगी। शहर में अब खुले में कचरा फैलाने पर उसके उठाने में होने वाला खर्च कचरा फैलाने वाले से ही वसूला जाएगा। कचरा उठाने में आने वाले खर्च की दोगुना राशि जुमाने के तौर पर ली जाएगी। गोहाना में प्रतिदिन करीब 39 टन कचरा निकलता है। नगर परिषद ने इस कचरे के उठाने के लिए एक एजेंसी को कार्य आवंटित किया है। यह आवंटन 5 महीने के लिए अस्थायी तौर पर किया गया है। आमतौर पर लोग और दुकानदार सफाई के बाद कचरा खुले में फेंक देते हैं। इससे शहर की सड़कों और सार्वजनिक स्थलों पर कचरा फैला रहता है। शहरों को कचरा मुक्त रखने के लिए यह एक्ट लागू किया गया है। दीपक गोयल, कार्यकारी अधिकारी, नगर परिषद, गोहाना ने बताया कि एक्ट लागू होने के बाद सफाई व्यवस्था में काफी सुधार होगा। नप अलग-अलग श्रेणियों में उठेगा कचरानगर परिषद की तरफ से घर-घर से कचरा अलग-अलग श्रेणियों में उठाया जाएगा। पोल्युटर पे प्रिंसिपल एक्ट के तहत शहरवासियों को कचरा अपने घरों से ही अलग-अलग करके देना होगा। एजेंसी की गाड़ियों में भी प्रत्येक श्रेणी के कचरे के लिए अलग से व्यवस्था रखी गई है। इससे कचरा निस्तारण स्थल पर कचरे का बेहतर ढंग से निस्तारण हो सकेगा।

महम में नशे के खिलाफ पुलिस ने किया जागरूक



महम(एजेंसी)। थाना प्रभारी ने कहा कि नशा व्यक्ति के साथ-साथ परिवार और समाज की भी प्रभावित करता है। उन्होंने बताया कि नशे की वजह से युवाओं की मौत और परिवार टूटने जैसी घटनाएं सामने आती हैं। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति नशा छोड़ना चाहता है लेकिन सफल नहीं हो पा रहा है तो पुलिस उसकी मदद करेगी। इस दौरान पीएसआई गौरव, एसएसआई सुरेश सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

करनाल में कपड़ा व्यापारी से ₹28 लाख की हेराफेरी



करनाल(एजेंसी)। जिला के असमर्थ में एक कपड़ा व्यापारी की दुकान से मुनिम द्वारा लाखों रुपए के गबन का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार दुकान में काम करने वाले मुनिम पर शक होने के बाद जब मालिक ने बिल, नकदी और सीसीटीवी फुटेज की जांच की, तो बड़े स्तर पर हेराफेरी का खुलासा हुआ। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। असंध निवासी शिकायतकर्ता धीरज छाबड़ा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी सफ़ीदो रोड पर कैनरा बैंक के पास ह्छाबड़ा दाज एंड वरीह नाम से कपड़ों की दुकान है। उसने मार्च 2026 में अंकित निवासी गांव खांडा तहसील अलेवा जिला जींद को अपनी दुकान पर मुनिम के रूप में काम पर रखा था। धीरज छाबड़ा के अनुसार 9 जुलाई को जब वह अपनी दुकान पर काम कर रहे थे, तब उन्हें मुनिम अंकित की गतिविधियों पर शक हुआ। इसके बाद उन्होंने दुकान के

बिल, नकदी, सीसीटीवी फुटेज और अन्य रिकॉर्ड की बारीकी से जांच की। जांच में सामने आया कि आरोपी ग्राहकों को बिना बिल के कपड़े देकर उनसे पैसे खुद रख रहा था। आरोपी की जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने पिछले 3 महीनों में अपने बैंक खाते में काफी बड़ी रकम का लेन-देन किया है। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपी ने उसकी जानकारी के बिना दुकान के गल्ले से करीब 28 लाख रुपए निकाल लिए। पैसे मांगने पर दी धमकीधीरज छाबड़ा ने बताया कि जब उन्होंने आरोपी अंकित से पैसे वापस मांगे, तो उसने उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। शिकायत में कहा गया है कि आरोपी ने अमानत में खयानत करते हुए भारी रकम का गबन किया है। वहीं पुलिस ने आज शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पीएसआई गुरतेज मामले में गहनता से जांच कर रहे हैं।

हरियाणा (एजेंसी)। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने कथित रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार से जुड़े एक मामले में अहम फैसला सुनाते हुए होमगार्ड विभाग के अधिकारी विजयपाल सिंह की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति सुमीत गोयल की कोर्ट ने 27 जुलाई 2026 को सुनाए गए आदेश में कहा कि मामले की परिस्थितियों को देखते हुए याचिकाकर्ता को अग्रिम जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता। मामला महेंद्रगढ़ जिले में तैनात होमगार्ड कर्मचारियों से कथित रूप से रिश्वत वसूली से जुड़ा है। एफआईआर के अनुसार शिकायतकर्ता अशोक, जो स्वयं



होमगार्ड के रूप में कार्यरत है, ने आरोप लगाया था कि होमगार्ड विभाग में कार्यरत राकेश कर्मचारियों से महेंद्रगढ़ में ड्यूटी लगाने और बिना ब्रेक ड्यूटी जारी रखने के बदले प्रत्येक तिमाही छह हजार रुपए की रिश्वत मांगता था। शिकायत में कहा कि जब रिश्वत की रकम कम करने का अनुरोध किया गया, तो बताया गया कि यह

धनराशि आगे विभाग के उच्च अधिकारियों तक पहुंचाई जाती है। आरोप है कि नवंबर और दिसंबर 2025 के दौरान शिकायतकर्ता से कई किस्तों में राशि ली गई तथा जनवरी 2026 में भी शेष रकम की मांग की गई। मूल एफआईआर में नहीं नाम सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता पक्ष ने दलील दी कि उसका नाम मूल एफआईआर में

3 नशा तस्करों के घरों पर चला बुलडोजर

कैथल (एजेंसी)। सिरटा रोड पर मंगलवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान शहर में नशा बेचने वाले तीन तस्करों के घरों को जेसीबी की सहायता से ध्वस्त कर दिया। तीनों आरोपी सूखे नशे बेचते थे। डीएसपी वीरभान व सिटी एसएचओ गीता भारी पुलिसबल के साथ मौके पर पहुंचे और मकानों को गिरवा दिया। पुलिस को इस कार्रवाई के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। संभावित विरोध को देखते हुए धीरसपी वीरभान ने बताया कि शहर थाना क्षेत्र में सिरटा रोड पर बने ये मकान अवैध धंधों से धन अर्जित कर बनाए गए थे। नशे की



तस्करों के बूते पर तीन आरोपियों ने मकानों का निर्माण किया हुआ था। इसी कारण से इन्हें गिराया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस नशा तस्करों के खिलाफ गंभीर है। ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार ये तीनों आरोपियों पर नशा तस्करी के कई कई मामले दर्ज हैं। पहले इनको नशा की बिक्री बंद करने के लिए कहा गया था, लेकिन आरोपी नहीं

माने। पुलिस ने जब जांच की तो पाया गया कि ये मकान नशा बेचकर कमाए गए पैसे से बने हैं। डीएसपी ने बताया कि न्यापालिका के अनुसार ये मकान अवैध जमीन पर बने हुए थे। जैसे ही मामला पुलिस के संज्ञान में आया तो इस संबंध में पुलिस की ओर से प्रशासन का सहयोग लिया गया। कानूनी प्रक्रिया के तहत इन अवैध मकानों को डहारा गया। उन्होंने चेतावनी देते हुए

करनाल में काली पट्टी बांधकर दुकानदारों ने निकाला मार्च

एक रात में चोरों ने 10 दुकानों के तोड़े ताले; व्यापारियों का फूटा गुस्सा

करनाल(एजेंसी)। जिले के घरौंडा शहर में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से नाराज दुकानदारों ने मंगलवार को पैदल मार्च निकालकर अपना विरोध दर्ज कराया। यह मार्च पटवारी मोहल्ले से शुरू होकर मेन बाजार, तक्रिया मार्किट, रेलवे रोड और सर्विस रोड से होते हुए घरौंडा थाना पहुंचा। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। दुकानदारों ने चेतावनी दी कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आगे सख्त कदम उठाए जाएंगे। एक रात में 8-10 दुकानों को बनाया निशाना मंगलवार को घरौंडा के दुकानदार, समाजिक कार्यकर्ता, कांग्रेस



ब्लॉक अध्यक्ष व कार्यकर्ता घरौंडा के पटवारी मोहल्ले में एकत्रित हुए और वहां से मुंह पर काली पट्टी बांधकर पैदल मार्च करते हुए शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करते हुए आगे बढ़े। ब्लॉक अध्यक्ष रोबिन माइकल, सोनू कश्यप, बाबा मीर सिंह, जगपाल सिंह, वेदप्रकाश, योगेंद्र शर्मा व अन्य दुकानदारों के अनुसार रविवार और सोमवार की

दरमियानी रात को मेन बाजार में तीन चोरों ने 8 से 10 दुकानों के ताले तोड़कर शहर भर एक लाख रुपए की चोरी की। इस दौरान नकदी के साथ-साथ सामान भी चोरी किया गया। मामले में विनोद कुमार ने पुलिस को शिकायत दी। उन्होंने बताया कि उनकी दुकान हविनोद कन्येश्वरनरीह मेन बाजार में है। रात करीब 2 से 2:30 बजे के



बीच उन्हें फोन आया कि दुकान के ताले टूटे हुए हैं। सुबह पहुंचने पर देखा कि शटर खुला था और अंदर रखी 8 हजार रुपए नकद राशि व कुछ सामान गायब था। आसपास के लोगों से पता चला कि कई अन्य दुकानों के ताले भी टूटे हैं। जिन दुकानों में चोरी हुई, उनमें विनोद पुत्र धर्मपाल (विनोद कन्येश्वरनरीह), पंकज पुत्र मदनलाल (भाटिया इलेक्ट्रिक्स),

मिगलानी जनरल स्टोर, चावला करियाणा स्टोर, अमन मेडिकल स्टोर, धीमान मोबाइल, सेठी जनरल स्टोर (पुशु सिंह), धर्मपाल करियाणा स्टोर और राधे बुक शॉप शामिल हैं। दुकानदारों का कहना है कि पिछले तीन महीनों में शहर में करीब 30 दुकानों के ताले तोड़े जा चुके हैं। छोटे व्यापारी पहले ही आर्थिक दबाव में हैं और

लगातार हो रही चोरियों से उनकी परेशानी बढ़ती जा रही है। प्रदर्शन के दौरान दुकानदार दौरे हुए ताले हाथ में लेकर पहुंचे, ताकि प्रशासन उनकी समस्या की गंभीरता को समझ सके। पुलिस कार्रवाई और जांच जारी घरौंडा थाने में सब इंस्पेक्टर मनजीत सिंह के सामने दुकानदारों ने अपनी समस्याओं को रखा। जिसमें उन्होंने मांग की कि शहर में गश्त बढ़ाई जाए और सीसीटीवी कैमरों में केंद्र हुए चोरों को तुरंत प्रभाव से पकड़ा जाए। जिस पर सब इंस्पेक्टर मनजीत सिंह ने बताया कि सीसीटीवी में कैद हुए चोरों को पहचानने का प्रयास किया जा रहा है और सीआईए को भी यह फुटेज भेजी गई है। इन आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। इसके अतिरिक्त शहर में गश्त बढ़ाई जाएगी, ताकि इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

जनसुनवाई में आईजी अशोक कुमार का सख्त संदेश: हर फरियादी को मिले त्वरित व निष्पक्ष न्याय



स्वदेश प्रेम, रमजान अली। गोंडा- देवीपाटन परिक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक श्री अशोक कुमार ने मंगलवार को परिक्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान आमजन की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। जनसुनवाई में पहुंचे फरियादियों ने अपनी विभिन्न शिकायतें पुलिस महानिरीक्षक के समक्ष रखीं, जिन पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष, त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आईजी श्री अशोक कुमार ने स्पष्ट कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से निस्तारण किया जाए, ताकि पीड़ितों को न्याय के लिए अनावश्यक इंतजार न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक प्रकरण की नियमित समीक्षा कर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि आमजन को सुलभ, संवेदनशील और जवाबदेह पुलिस व्यवस्था उपलब्ध कराना पुलिस विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनसुनवाई के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान कर शासन की मंशा के अनुरूप लोगों का विश्वास और अधिक मजबूत किया जा रहा है।

सीसीटीवी कंट्रोल रूम से मुड़िया पूर्णिमा मेले की 24 घंटे निगरानी, श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर प्रशासन की पैनी नजर



स्वदेश प्रेम / गिरिश कुमार गोवर्धन (मथुरा)। मुड़िया पूर्णिमा मेला-2026 के दौरान लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह सतर्क है। मेला क्षेत्र में स्थापित अत्याधुनिक सीसीटीवी कंट्रोल रूम से पूरे परिक्रमा मार्ग और प्रमुख स्थलों की 24 घंटे निगरानी की जा रही है, जिससे हर गतिविधि पर लगातार नजर रखी जा सके। कंट्रोल रूम में तैनात अधिकारी सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से श्रद्धालुओं की आवाजाही, भीड़ की स्थिति, यातायात व्यवस्था तथा सुरक्षा इंतजामों की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। प्रत्येक गतिविधि की पल-पल की जानकारी संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाई जा रही है, जिससे किसी भी स्थिति का तत्काल समाधान किया जा सके। यदि किसी स्थान पर भीड़ का दबाव बढ़ता है या किसी प्रकार की असामान्य स्थिति उत्पन्न होती है, तो कंट्रोल रूम से तुरंत संबंधित पुलिस अधिकारियों, सुरक्षा कर्मियों और प्रशासनिक टीमों को सूचना देकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। इससे भीड़ प्रबंधन के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुरक्षित आवाजाही बनाए रखने में सहायता मिल रही है।

प्रशासन का कहना है कि मुड़िया पूर्णिमा मेले में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। आधुनिक तकनीक और सतत निगरानी के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित, व्यवस्थित और सुगम वातावरण में दर्शन एवं परिक्रमा का लाभ मिल सके। पुलिस एवं प्रशासनिक टीमों पूरे मेला क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहकर सभी व्यवस्थाओं पर नजर बनाए हुए हैं।

ग्रेटर नोएडा में हाईटेक चोर गिरफ्तार: 100 से ज्यादा मास्टर चाबियां, ₹12 लाख के जेवर और 1.1 किलो गांजा बरामद

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्धनगर पुलिस ने बंद मकानों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले एक शांति चोर को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की। थाना बीटा-2 पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 100 से अधिक मास्टर चाबियां, करीब 12 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरों और 1.1 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी चोरी के साथ-साथ मादक पदार्थों की तस्करी में भी शामिल था और पुलिस से बचने के लिए अपनी मोटरसाइकिल पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर चलाता था। मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में डीसीपी ग्रेटर नोएडा रवि शंकर निम ने बताया कि थाना बीटा-2 पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत 28 जुलाई की रात सिटी पार्क, नवादा के पास से आरोपी को गिरफ्तार किया। उसकी पहचान अलीगढ़ निवासी साहिल पुत्र रज्जाक के रूप में हुई है। पुलिस को पिछले कुछ समय से ग्रेटर नोएडा के विभिन्न सेक्टरों में बंद मकानों में चोरी की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन्हीं घटनाओं के खुलासे के लिए पुलिस लगातार निगरानी और चेकिंग अभियान चला रही थी। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पहले मोटरसाइकिल से कॉलोनिजों और सेक्टरों में घूमकर ऐसे मकानों की रेकी करता था, जिनमें लोग बाहर गए होते थे। घर बंद मिलने पर वह अपने पास मौजूद अलग-अलग प्रकार की चाबियों से ताले खोलने की कोशिश करता था। यदि चाबी से ताला नहीं खुलता तो वह उसे तोड़कर घर में घुस जाता और सोने-चांदी के जेवर, नकदी व अन्य कीमती सामान चोरी कर फरार हो जाता था। पुलिस के अनुसार आरोपी के पास से 100 से ज्यादा चाबियां बरामद हुई हैं, जिनका इस्तेमाल वह अलग-अलग प्रकार के ताले खोलने में करता था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि कुछ दिन पहले अल्फा सेक्टर में हुई चोरी की घटना को भी इसी आरोपी ने अंजाम दिया था। बरामद सोने और चांदी के जेवरों के साथ ही पुलिस ने आरोपी की घटनाओं से बचने के लिए मोटरसाइकिल पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर चलाता था। इससे सीसीटीवी कैमरों में वाहन की सही पहचान नहीं हो पाती थी। अब पुलिस मोटरसाइकिल की वास्तविक जानकारी और फर्जी नंबर प्लेट के इस्तेमाल के पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है।

सीएम डैशबोर्ड पर विकास योजनाओं की प्रगति की डीएम ने की सख्त समीक्षा, खराब रैंकिंग वाले विभागों को चेतावनी

स्वदेश प्रेम, रमजान अली। गोंडा।

जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के माध्यम से जिले में संचालित विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में विभागवार रैंकिंग का प्रोजेक्टर के माध्यम से अवलोकन करते हुए उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन विभागों की रैंकिंग संतोषजनक नहीं है, वे अगले माह तक हर हाल में सुधार सुनिश्चित करें। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही अथवा उदासीनता किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी और खराब प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध

कार्रवाई की जाएगी। समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम), जल निगम, फैमिली आईडी, पंचायत, विद्युत, पर्यटन, बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, पशुपालन, समाज कल्याण, प्रोबेशन, पिछड़ा वर्ग कल्याण, सिंचाई सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति का बिंदुवार मूल्यांकन किया। उन्होंने सभी विभागों को निर्दिष्ट किया कि योजनाओं का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए समय पर ऑनलाइन फीडिंग कराई जाए, ताकि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर जिले की रैंकिंग बेहतर हो सके। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक



विभाग नियमित रूप से मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की निगरानी करे तथा लॉबिंग मामलों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और समय पर डेटा अपडेट होने से ही जिले की रैंकिंग में अपेक्षित सुधार संभव है।

बैठक के दौरान फैमिली आईडी योजना की अपेक्षाकृत खराब प्रगति पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को विशेष अभियान चलाकर शीघ्र सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं में

किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ', 'कन्या सुमंगला योजना', 'मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना', 'बाल संरक्षण गृह' तथा 'निराश्रित महिला पेंशन योजना' की भी विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन

आवेदन पत्रों का सत्यापन लॉबिंग है, उनकी तत्काल जांच कर समय से संबंधित विभाग को उपलब्ध कराया जाए, ताकि पात्र लाभार्थियों को शासन की योजनाओं का लाभ बिना किसी विलंब के मिल सके। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतलाल पटेल, जिला विकास अधिकारी आदित्य तिवारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, डीसी उद्योग बाबुराम, सहायक पर्यटन सूचना अधिकारी सहित सभी संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी, समस्त खंड विकास अधिकारी (बीडीओ), एडीओ पंचायत एवं नेडा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब बनारस का 82वां पदस्थापन समारोह संपन्न,राजीव कुमार ने संभाली अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी

(संतोष कुमार सिंह)

वाराणसी- समाज सेवा के क्षेत्र में 82 वर्षों से सक्रिय रोटरी क्लब बनारस का 82वां पदस्थापन समारोह कैटोमेन्ट स्थित होटल रेडिसन में उत्साहपूर्ण माहौल में आयोजित किया गया। समारोह में सत्र 2026-27 के लिए रोटेरियन राजीव कुमार ने अध्यक्ष पद एवं गोपनीयता की शपथ ली उनके साथ नई कार्यकारिणी ने भी पदभार ग्रहण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डाक्टर दयाशंकर मिश्रा 'दयालु' ने रोटरी क्लब के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि "सेवा ही सबसे बड़ी पूजा है" रोटरी जैसे संगठन समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त न्यायाधीश बी.डी.मिश्रा ने भी क्लब की सामाजिक गतिविधियों की



प्रशंसा करते हुए नई टीम को शुभकामनाएं दीं। नवनिर्वाचित अध्यक्ष रोटेरियन राजीव कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि आगामी सत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार,स्वच्छ काशी -सुंदर काशी अभियान,पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त समाज,युवाओं,विद्यार्थियों एवं महिलाओं के सशक्तिकरण,सदस्यता वृद्धि तथा पारदर्शी एवं प्रभावी सेवा कार्यों को

प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सदस्य समाज परिवर्तन का सशक्त दूत बने और सभी मिलकर परिवार की भावना से कार्य करें। समारोह के दौरान कई नए सदस्यों ने भी रोटरी क्लब की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब के संरक्षक डाक्टर शशिकांत दीक्षित एवं डाक्टर एम.के.गुप्ता ने की। संयोजक रोटेरियन उमा केजरीवाल तथा समन्वयक रोटेरियन राघवेंद्र

वेताल ने अतिथियों का स्वागत किया। समारोह में विभिन्न रोटरी क्लबों के सदस्य,क्लब के पूर्व अध्यक्ष, पादाधिकारी, रोटेरियन,गणमान्य नागरिक तथा आयुष मंत्री के जनसंपर्क अधिकारी भी राठी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रोटेरियन मनोष पांडेय एवं रोटेरियन आलोक पारीख ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन रोटेरियन राजीव पांडेय ने प्रस्तुत किया।

मुड़िया पूर्णिमा मेला-2026 की तैयारियों का आला अधिकारियों ने लिया जायजा, गोवर्धन परिक्रमा मार्ग का किया पैदल निरीक्षण

स्वदेश प्रेम / रवि कुमार गोवर्धन (मथुरा)।

मुड़िया पूर्णिमा मेला-2026 के सफल एवं सुरक्षित आयोजन को लेकर प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। इसी क्रम में अपर पुलिस महानिदेशक सुवेंद्र कुमार भगत, मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप, पुलिस उप महानिरीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने गोवर्धन परिक्रमा मार्ग का पैदल निरीक्षण कर मेले की तैयारियों का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने श्रद्धालुओं, पर्यटकों, दर्शनार्थियों एवं परिक्रमार्थियों की सुविधा के लिए की गई व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, साफ-सफाई, पेजलन, भंडारों, सार्वजनिक शौचालयों, बैरियर, बैरिकेडिंग, पार्किंग स्थलों, वांच टावर तथा प्रकाश व्यवस्था सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की।



अधिकारियों ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध और प्रभावी ढंग से संचालित की जाएं। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाए रखने तथा भीड़ प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि मुड़िया पूर्णिमा मेले के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना सर्वोच्च

प्राथमिकता है। इसके लिए पुलिस एवं जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता, पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सुरेश चंद्र रावत, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) डॉ. पंकज कुमार वर्मा, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अमरेश कुमार, उप जिलाधिकारी गोवर्धन सुशील कुमार सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी धनंजय जायसवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुड़िया मेला गुरु पूर्णिमा मेला गोवर्धन में लगभग 470 साल पुरानी है परंपरा

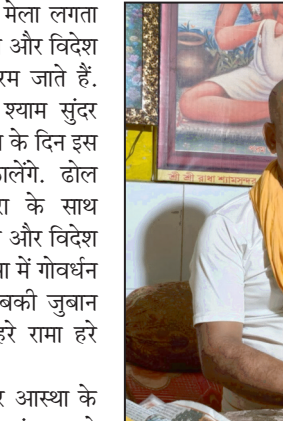
मुड़िया परंपरा गौड़ीय वैष्णव संप्रदाय के महान संत श्री सनातन गोस्वामी के गोलोक गमन (तिरोभाव) से जुड़ी है

गोवर्धन मथुरा: कान्हा नगरी मथुरा भक्ति और आस्था के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। वृंदावन से लेकर पूरे जिले भर में पूरे साल बड़े स्तर पर धार्मिक आयोजन होते रहते हैं। जिसमें देश-विदेश के लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। जहां द्वार युग में भगवान श्री कृष्ण ने अपने ग्वाल वाल और बृजवासियों की रक्षा के लिए कनूी उंगली पर विशाल गोवर्धन पर्वत को उठाया था। वहीं, फाग उत्सव की तरह गोवर्धन में लगने वाला मुड़िया मेला विश्वप्रसिद्ध है। एक सप्ताह तक लगने वाले इस मेले में लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं, जिसमें विदेशी भी होते हैं। मुड़िया मेला 23 से 30 जुलाई तक चलेगा।

कान्हा नगरी मथुरा भक्ति और आस्था के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। वृंदावन से लेकर पूरे जिले भर में पूरे साल बड़े स्तर पर धार्मिक आयोजन होते रहते हैं। जिसमें देश-विदेश के लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। जहां द्वार युग में भगवान श्री कृष्ण ने अपने ग्वाल वाल और बृजवासियों की रक्षा के लिए कनूी उंगली पर विशाल गोवर्धन पर्वत

उपलक्ष्य में गोवर्धन में मुड़िया मेला लगता है। राजकीय मेला साधु संत देश और विदेश से आने वाले भक्त भक्ति में रम जाते हैं। गोवर्धन में स्थित प्राचीन श्री श्याम सुंदर मंदिर के मुड़िया संत गुरु पूर्णिमा के दिन इस बार 470वां शोभायात्रा निकालेंगे। ढोल नगाड़े बंद बजे झांझ मंजीरा के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी। देश और विदेश से हजारों श्रद्धालु इस शोभा यात्रा में गोवर्धन पहुंचते हैं। भव्य शोभायात्रा सबकी जुबान पर एक ही नाम रहे कृष्णा हरे राम हरे कृष्णा हरे राम हरे

कान्हा नगरी मथुरा भक्ति और आस्था के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। वृंदावन से लेकर पूरे जिले भर में पूरे साल बड़े स्तर पर धार्मिक आयोजन होते रहते हैं। जिसमें देश-विदेश के लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। जहां द्वार युग में भगवान श्री कृष्ण ने अपने ग्वाल वाल और बृजवासियों की रक्षा के लिए कनूी उंगली पर विशाल गोवर्धन पर्वत



को उठाया था। वहीं, फाग उत्सव की तरह गोवर्धन में लगने वाला मुड़िया मेला विश्वप्रसिद्ध है। एक सप्ताह तक लगने वाले इस मेले में लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं, जिसमें विदेशी भी होते हैं।

1532 में चैतन्य महाप्रभु की मृत्यु के बाद

स्वदेश प्रेम / गिरिश कुमार गोवर्धन।

आषाढ़ मास की पूर्णिमा पर मनाया जाने वाला गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व आज पूरे देश के साथ-साथ ब्रजभूमि गोवर्धन में भी श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर लाखों श्रद्धालु गिरिराज महाराज की परिक्रमा करेंगे तथा श्री दानघाटी मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में दर्शन कर अपने गुरुजनों का पूजन एवं आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। सनातन परंपरा में गुरु को ईश्वर के समान स्थान दिया गया है। शास्त्रों में कहा गया है—

गुरु ब्रह्मा गुरु विष्णु गुरु देवो महेश्वरः।

गुरु साक्षात् परब्रह्मा तस्मै श्री गुरवे नमः॥ मान्यता है कि श्रद्धा और विश्वास के साथ गुरु का पूजन करने तथा गिरिराज महाराज की परिक्रमा करने से गुरु कृपा प्राप्त होती है, जीवन में सुख-समृद्धि आती है और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है। गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। यह महर्षि वेदव्यास



की जयंती के रूप में मनाई जाती है। महर्षि वेदव्यास ने चारों वेदों—ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद—का विभाजन किया तथा महाभारत सहित अठारह पुराणों की रचना कर भारतीय संस्कृति को अमूल्य धरोहर प्रदान की। इसी कारण उन्हें आदि गुरु की उपाधि दी गई है। संस्कृत में गुरु शब्द गुरु (अंधकार या अज्ञान) और रु (उसका नाश करने वाला) से मिलकर बना है। अर्थात् गुरु वह है जो अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश प्रदान करता है और जीवन के सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। गुरु पूर्णिमा की परंपरा वैदिक काल से चली आ रही है। प्राचीन समय में

इस दिन शिष्य अपने गुरु के आश्रम जाकर उनका पूजन करते, आशीर्वाद लेते और गुरु-दक्षिणा अर्पित करते थे। आज भी यह परंपरा श्रद्धा के साथ निभाई जाती है। इस दिन गुरु के साथ-साथ माता-पिता, शिक्षकों और आध्यात्मिक मार्गदर्शकों का सम्मान करना भी अत्यंत शुभ माना जाता है।

इस पर्व का महत्व केवल सनातन धर्म तक सीमित नहीं है। बौद्ध परंपरा के अनुसार, भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद आषाढ़ पूर्णिमा के दिन सारनाथ में अपने प्रथम पाँच शिष्यों को पहला उपदेश दिया था। वहीं जैन धर्म में भी इस दिन का विशेष महत्व है। मान्यता है कि भगवान महावीर के प्रथम शिष्य गौतम स्वामी को इसी दिन गुरु के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त हुई थी। गोवर्धन धाम में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर प्रशासन और मंदिर प्रबंधन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्थाएँ की गई हैं। श्रद्धालु भक्ति, श्रद्धा और उत्साह के साथ गुरु पूजन कर गुरु कृपा का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

उनके उपदेशों को उनके शिष्य श्रीपाद ने दुनिया भर में फैलाया। वृद्धा अवस्था में श्रीपाद सनातन को गिरिराज जी ने साक्षात् दर्शन दिए और कहा कि आप इस छोटी शिला की पूजा करें तो आप को गोवर्धन पर्वत के बराबर पुण्य मिलेगा। 1556 में श्रीपाद गोलोकधाम चले गए थे. उनके शिष्यों ने उनके पार्थिक शरीर के साथ सत्कोषीय परिक्रमा और अपने सिर के बालों का मुंडन कराया था तभी से यहां परंपरा चली आ रही है. तभी से यह से चली आ रही है, जिसे मुड़िया संत गुरु पूर्णिमा में मुंडवाने के कारण इस मेले का नाम मुड़िया पड़ा. बता दें कि मुड़िया संत गुरु पूर्णिमा से तीन दिन पहले अपने सिर के बाल मुड़वाते हैं. गुरु पूर्णिमा के दिन गोवर्धन कस्बे में भव्य शोभायात्रा निकाली जाती है. शोभा यात्रा में देश और विदेश से श्रद्धालु शामिल होते हैं.

गोवर्धन कस्बे में प्राचीन चकलेश्वर

महादेव मंदिर बना हुआ है. इसी आश्रम में मुड़िया संत यहां रहकर अपना जीवन यापन करते हैं और राधा कृष्ण के भजनों में लीन रहते हैं. मुड़िया मेला को लेकर विशेष तैयारी की जाती है. आश्रम में भागवत और चैतन्य महाप्रभु की लीला को दर्शाया जाता है. गिरिराज जी की नगरी गोवर्धन में गुरु सत्कोषीय परिक्रमा में गुरु अपने सिर के बालों का मुंडन कराया था तभी से यहां परंपरा चली आ रही है. तभी से यह से चली आ रही है, जिसे मुड़िया संत गुरु पूर्णिमा में मुंडवाने के कारण इस मेले का नाम मुड़िया पड़ा. बता दें कि मुड़िया संत गुरु पूर्णिमा से तीन दिन पहले अपने सिर के बाल मुड़वाते हैं. गुरु पूर्णिमा के दिन गोवर्धन कस्बे में भव्य शोभायात्रा निकाली जाती है. शोभा यात्रा में देश और विदेश से श्रद्धालु शामिल होते हैं.



मैं खुद को बॉलीवुड का हिस्सा मानता हूँ

म्यूजिक कंपोजर-प्रोड्यूसर और बैकग्राउंड स्कोर डायरेक्टर अभिजीत वधानी बॉलीवुड इंडस्ट्री में काफी समय से काम कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में बातचीत में बताया कि इस समय वे टी-सीरीज मिवसटैप के आगामी सीजन पर काम कर रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि उनके इतने सारे क्रिएटिव प्रोजेक्ट्स में से इस समय उन्हें सबसे ज्यादा व्यस्त कौन सा काम रख रहा है, तो उन्होंने कहा, 'अभी के लिए मेरा पूरा ध्यान 'मिवसटैप' पर है। इसके बाद मेरी अकादमी का काम है। फिर मैंने हाल ही में 'कॉन्टेल 2' का काम पूरा किया है और बॉलीवुड में आगे भी कई फिल्में आने वाली हैं। उन्होंने कहा, 'मैं खुद को बॉलीवुड का हिस्सा मानता हूँ। पिछले 27 साल में मैंने कई फिल्मों के लिए काम किया है। 'सुरज बुबा है', 'हाई हील्स', 'आज की पार्टी' और 'देसी बॉयज' जैसे कई गानों का सफर बहुत खास रहा है। यह महसूस करना बहुत अच्छा लगता है कि बॉलीवुड ने मुझे एक प्रोफेशनल और टॉप कैटेगरी के कलाकार के रूप में स्वीकार किया है, जो हमेशा मेरा सपना था। इसके लिए मैं बहुत आभारी हूँ।' मिवसटैप के बारे में बताते हुए अभिनेता ने कहा, 'मिवसटैप हमेशा से मेरा पसंदीदा रहा है। 9 साल पहले हमने एक सीजन किया था, जहाँ हम 'मिवसटैप' में कुछ चीजें आजमाना चाहते थे। यह एक कवर चीज के तौर पर शुरू हुआ था, जहाँ हम एक कवर को शानदार बनाना चाहते थे। जैसे टी-सीरीज के कवर और कैटलॉग हैं, वे बहुत बड़े हैं, हमें 26,000-30,000 गानों और उस समय के कवर में से चुनना था।' उन्होंने आगे कहा, 'हम हर एक गाने को कवर करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन जब हमने एक कवर फाइनल किया, तो अचानक मैंने उसे बजाया और उस पर कुछ और गुनगुनाने लगा। हैरानी की बात यह थी कि वह धुन उसके साथ इतनी अच्छी तरह मेल खा गई। फिर हमने सोचा कि क्यों न कुछ अलग किया जाए। हमने तय किया कि इस गाने को दूसरे गाने के साथ मिलाकर एक मेशअप बनाया जाए। इसके बाद हमें महसूस हुआ कि दोनों गानों के बोल, सुर और पूरी बनावट एक-दूसरे के साथ बिल्कुल सही बैठ रहे हैं।'



टीवी सबसे बड़ा स्कूल है, लोग इसे कम क्यों समझते हैं?

टेलीविजन अभिनेत्री निहारिका चौकसे इन दिनों अपने शो 'तुम से तुम तक' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने आईएनएस को दिए इंटरव्यू में टेलीविजन इंडस्ट्री को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने उन लोगों पर सवाल उठाया है जो आज के समय में टीवी को फिल्मों और ओटीटी से कमतर मानते हैं। उनका कहना है कि टीवी कलाकारों के लिए सबसे बड़ा स्कूल है, जहाँ हर दिन कुछ नया सीखने का मौका मिलता है। निहारिका चौकसे ने कहा, 'मुझे टीवी पर काम करना हमेशा पसंद आता है। अगर कोई मुझसे कहे कि मुझे रोज 14 घंटे काम करना होगा, तब भी मुझे कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि मुझे बिजी रहना अच्छा लगता है। मुझे समझ नहीं आता कि कुछ लोग टेलीविजन को कम क्यों आकने लगते हैं। मेरे लिए टीवी सबसे बड़ा स्कूल है। यहाँ कैमरे के सामने अभिनय करना, लंबी-लंबी लाइन्स याद करना और हर परिस्थिति में बेहतर प्रदर्शन करना सीखने का मिलता है।' उन्होंने आगे कहा, 'टेलीविजन में काम करना आसान नहीं होता, क्योंकि यहाँ कलाकारों को बहुत कम समय में अपना बेस्ट देना पड़ता है। टीवी में अगले दिन का एपिसोड प्रसारित होना

होता है, इसलिए नई स्क्रिप्ट मिलते ही कलाकारों को तुरंत तैयारी करनी पड़ती है और शूटिंग भी करनी होती है। वेब सीरीज में कलाकारों को वर्कशॉप और तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिलता है, लेकिन टीवी में काम की रफतार कहीं ज्यादा तेज होती है। यही वजह है कि टीवी कलाकारों को हर दिन नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और लगातार मेहनत करनी पड़ती है।' निहारिका चौकसे ने कहा, 'मनोरंजन जगत अब पहले से बेहतर दिशा में आगे बढ़ रहा है। बदलाव जीवन का सबसे बड़ा सच है और इंडस्ट्री भी समय के साथ बदल रही है। पहले टेलीविजन में महिलाओं पर आधारित कहानियाँ ज्यादा देखने को मिलती थीं, लेकिन अब फिल्मों में भी महिला कलाकारों को मजबूत और अहम किरदार मिलने लगे हैं। महिला प्रधान फिल्मों का अच्छा प्रदर्शन इस बात का सबूत है कि दर्शकों की सोच बदल रही है और इंडस्ट्री महिलाओं को पहले से ज्यादा अवसर दे रही है।' रियलिटी शो में आने को लेकर भी निहारिका ने कहा, 'अभी मैं सिर्फ काम करना चाहती हूँ। रियलिटी शो बाद में भी किए जा सकते हैं। सबसे पहले मैं अपना फैन बेस मजबूत करना चाहती हूँ, ताकि जब भी किसी रियलिटी शो में हिस्सा लूँ, तो जीतने के इरादे से जाऊँ।' उन्होंने कहा, 'मुझे डांस करना बेहद पसंद है, इसलिए 'झलक दिखला जा' मेरे पसंदीदा रियलिटी शो की लिस्ट में शामिल है। वहीं, 'खतरों के खिलाड़ी' में हिस्सा लेने की इच्छा भी है, लेकिन उससे पहले मैं अपने डर पर काबू पाना चाहती हूँ।'

'हैवान' में दृष्टिबाधित लेकिन विशेष क्षमता वाला किरदार निभा रहे हैं सैफ अली खान

'हैवान' में निभाता दिखूंगा भारतीय ब्लाइंड समुराई जैसा किरदार सैफ अली खान जल्द ही निर्देशक प्रियदर्शन की एक्शन-थ्रिलर 'हैवान' में दिखेंगे। सैफ इस फिल्म में एक दृष्टिबाधित लेकिन विशेष क्षमता वाले किरदार को निभा रहे हैं। अपने रोल के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह उनके करियर के सबसे दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण किरदारों में से एक है। सैफ ने कहा, 'मेरे दिमाग में यह एक भारतीय ब्लाइंड समुराई जैसा किरदार है। वह देख नहीं सकता, लेकिन उसकी अन्य क्षमताएँ असाधारण हैं। सबसे बड़ी चुनौती उसकी शारीरिक भाषा और एक्शन को वास्तविक बनाए रखना था, ताकि वह बनावटी न लगे।



राम गोपाल वर्मा की तारीफ पर गदगद हुई यामी गौतम

अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों 'आर्टिकल 370' से मिले राष्ट्रीय पुरस्कार को लेकर सुर्खियाँ बटोर रही हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए मनोरंजन जगत में बिताए लंबे सफर को सबसे बड़ा शिक्षक बताया। दरअसल, यामी की इस जीत पर निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए बधाई दी थी, जिस पर यामी ने खुशी जाहिर करते हुए उनका धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने अपने सफर को याद करते हुए टेलीविजन की दुनिया को 'सबसे बड़ा टीचर' बताया। अभिनेत्री ने लिखा, 'बहुत-बहुत धन्यवाद, सर। आपके शब्द मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। यह सफर सच में मेरे लिए सबसे बड़ा शिक्षक रहा है और आपके प्रोत्साहन व सहयोग के लिए मैं दिल से आभारी हूँ। आगे भी सीखते, आगे बढ़ते और अपने काम के प्रति ईमानदार बने

रहने की कोशिश जारी रहेगी।' बता दें कि 'आर्टिकल 370' 2024 में रिलीज हुई एक राजनीतिक एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी। यह फिल्म जम्मू-कश्मीर को संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत प्राप्त विशेष दर्जे को निरस्त करने और राज्य से आतंकवाद के खतरे की ऐतिहासिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि पर आधारित है।



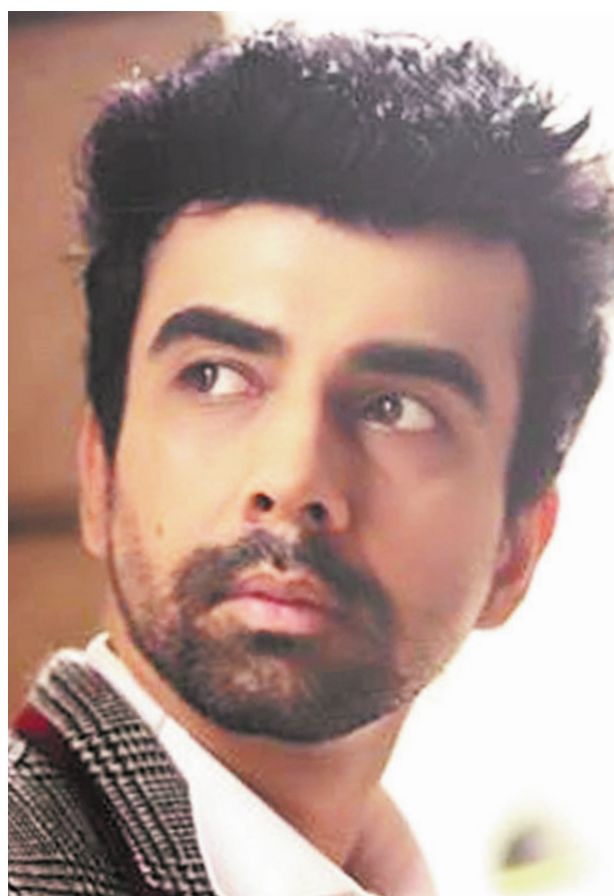
शहनाज मेरे लिए परिवार जैसी है

राघव जुयाल और शहनाज गिल का नाम पिछले कुछ समय से लगातार चर्चा में है। हाल ही में एक बर्थडे पार्टी से बाहर निकलते वक्त दोनों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में भीड़ के बीच राघव, शहनाज को सुरक्षित बाहर निकालते नजर आए थे। इसके बाद दोनों के रिश्ते को लेकर अटकलों का दौर तेज हो गया। इसी बीच शहनाज गिल ने हाल ही में एक इंटरव्यू में निजी जिंदगी से जुड़े सवाल को टालते हुए राघव जुयाल को अपना 'बहुत अच्छा दोस्त' बताया था। साथ ही उन्होंने उनकी पहली लीड फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' का समर्थन करते हुए लोगों से फिल्म देखने की अपील की थी। जब राघव जुयाल से उनकी पर्सनल लाइफ और शहनाज गिल के साथ जुड़ रहे नाम को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने बेबाकी से जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'देखिए, पर्सनल लाइफ की चर्चा तो होगी। हम शोबिज में हैं। हम लोग फेमस हैं। आगे भी ऐसी बातें होगी।' उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन, हम सब दोस्त हैं। शहनाज भी मेरी दोस्त है। मैं उसका बहुत अच्छा दोस्त हूँ। वह मेरे लिए परिवार जैसी है। मैं अपने दोस्तों और

परिवार की हमेशा हिफाजत करता हूँ और हमेशा उनके साथ खड़ा रहूँगा।

2023 में भी उड़ी थीं डेटिंग की अफवाहें

राघव जुयाल और शहनाज गिल ने सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में साथ काम किया था। फिल्म के प्रमोशन के दौरान सलमान खान ने दोनों की केमिस्ट्री को लेकर मजाकिया अंदाज में टिप्पणी की थी। इसके बाद दोनों के डेटिंग की खबरों ने जोर पकड़ लिया था। हालांकि, बाद में राघव जुयाल ने इन चर्चाओं पर सफाई देते हुए कहा था कि सलमान खान ने सिर्फ मजाक किया था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि उनके और शहनाज के बीच ऐसा कोई रिश्ता नहीं था।



बच्चों के साथ अभिनय करने को लेकर थोड़ा घबराया हुआ था

अभिनेता नवीन कस्तूरिया अपनी वेब सीरीज 'आदर्श बाल विद्यालय' की रिलीज के लिए तैयार हैं। इसमें वह एक ऐसे शख्स का किरदार निभा रहे हैं, जो पेशे से स्कूल काउंसलर है, लेकिन निजी जिंदगी में अपनी छोटी बेटी के साथ रिश्ते को समझने और संभालने की कोशिश कर रहा है।

अभिनेता ने बताया कि उन्हें सबसे ज्यादा घबराहट एक पिता का रोल निभाने में हो रही थी। नवीन ने कहा, 'अगर आप मुझसे पूछें कि इस शो में सबसे मुश्किल क्या था, तो मेरा जवाब होगा कि काउंसलर का किरदार निभाने से ज्यादा घबराहट पिता का रोल निभाने में हुई। मैं अभी असल जिंदगी में पिता नहीं हूँ,

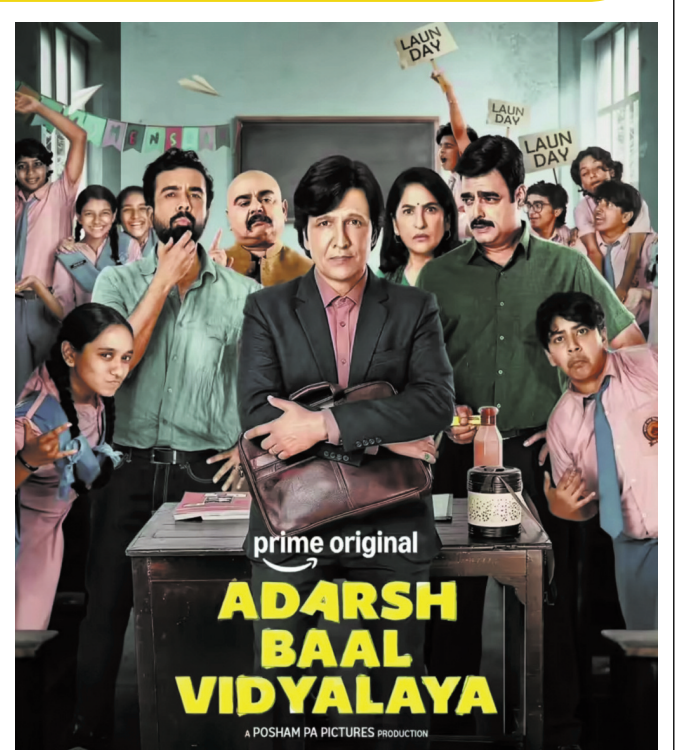
इसलिए उस भावनात्मक दुनिया में जाना बिल्कुल नया अनुभव था। एक पिता और बेटी के रिश्ते में प्यार होता है, अपनापन होता है, लेकिन कई बार झिझक भी होती है। इन भावनाओं को समझना मेरे लिए चुनौती भी थी और एक कलाकार के तौर पर सीखने का मौका भी।'

उन्होंने बताया कि बच्चों के साथ अभिनय करना भी आसान नहीं था। नवीन ने कहा, 'मैं बच्चों के साथ अभिनय करने को लेकर भी थोड़ा घबराया हुआ था, क्योंकि बच्चे बहुत सहज और ईमानदारी से अभिनय करते हैं। मेरी बेटी का किरदार निभाने वाली छोटी बच्ची बेहद शानदार कलाकार है। उसके साथ काम करते हुए मुझे भी हर सीन में पूरी ईमानदारी से अभिनय करना पड़ा।'

नवीन ने आगे कहा कि शो में उनका किरदार मुकुल अपनी बेटी से बहुत प्यार करता है और उसका दोस्त बनना चाहता है, लेकिन इसके बावजूद दोनों अपने मन की बात एक-दूसरे से नहीं कह पाते। उन्होंने कहा, 'मुकुल अपनी बेटी से बहुत प्यार करता है और उसका दोस्त बनना चाहता है, लेकिन दोनों वैसे बात नहीं

कर पाते, जैसी करना चाहते हैं। मुझे लगता है कि कई परिवार इस स्थिति को महसूस करेंगे। सबसे बड़ी चुनौती उन भावनाओं को पर्दे पर दिखाना था, जो दोनों के बीच बिना बोले रह जाती हैं। उन खामोश पलों में बहुत गहरी भावनाएँ छिपी हैं और उन्हें सही तरीके से निभाना मेरे अभिनय के सबसे यादगार अनुभवों में से एक रहा।'

'आदर्श बाल विद्यालय' एक कॉमेडी-ड्रामा सीरीज है। इसमें केके मेनन, अर्चना पूरन सिंह, अभिमन्यु सिंह, प्रसन्ना बिट्ट, अजितेश गुप्ता, अनूप सोनी और प्राची शाह भी अहम भूमिकाओं में हैं। इस सात एपिसोड की सीरीज का निर्देशन हिमांक गौर ने किया है। इसे बिस्वपति सरकार और समीर सक्सेना ने पोशम पा पिक्चर्स के बैनर तले बनाया है। 'आदर्श बाल विद्यालय' प्राइम वीडियो पर हिंदी और अंग्रेजी भाषा में स्ट्रीम होगी।



कोर्स चुनते समय इन बातों का रखें ध्यान

हर विद्यार्थी पढ़ाई के बाद अच्छी सैलरी, अच्छा पै-पैकेज चाहता है। मैनेजमेंट कोर्स करने के बाद उसे अपने सपने पूरे होते दिखाई देते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आपको मैथ्स, कॉमर्स और इकोनॉमिक्स जैसे विषयों में रुचि हो। इसके बाद ही कॉलेज सिलेक्ट करें, क्योंकि भारत में मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट्स की बाढ़-सी आई हुई है। इसलिए कहीं भी एडमिशन से पहले उसकी विश्वसनीयता परख लें कि वह एआईसीटीई (ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन) या यूजीसी (यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमिशन) से मान्यता प्राप्त है या नहीं। फैकल्टी के बारे में फर्स्ट हैंड इन्फॉर्मेशन वहां के स्टूडेंट्स से हासिल करें। उनसे इंटरनशिप और प्लेसमेंट की जानकारी भी लें। ऑख मूंदकर सिर्फ कॉलेज की वेबसाइट पर भरोसा न करें।

कैसे करें सिलेक्शन

आम तौर पर 12वीं में विद्यार्थी साइंस, कॉमर्स या आर्ट्स, जो भी स्ट्रीम सिलेक्ट करते हैं, उससे उनके आगे का करियर तय होता है। इसी आधार पर वे मेडिकल, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस, सीए, सीएस, एमबीए, होटल मैनेजमेंट, फैशन डिजाइनिंग आदि कोर्सेज में दाखिले की तैयारी करते हैं। यहीं स्टूडेंट्स को यह बताना और समझाना जरूरी हो जाता है कि वे किस आधार पर अमुक कोर्स या कॉलेज का चयन करें।

पैशन को पहचानें

आपका पैशन क्या है? आप क्या पढ़ना चाहते हैं? किन विषयों में आपकी रुचि है? इन सब पर ध्यान देते हुए ही करियर का चुनाव करें। पैशन को पहचानने का सही समय 10वीं से 12वीं तक होता है। समय पर निर्णय लेंगे, स्टूटेजी, प्लानिंग के साथ आगे बढ़ेंगे, तो ऑप्शंस की कमी नहीं रहेगी।

दूर करें कंप्यूजन

कभी भी करियर का फैसला आखिरी समय में न लें। इससे गलतियां होने की आशंका बढ़ जाती है। अगर कंप्यूजन है, तो अपने टीचर, पैरेंट्स या सीनियर्स से मार्गदर्शन लें। चर्चा करने से समस्याओं का हल निकल आता है।

दोस्तों की नकल नहीं

हर विद्यार्थी की रुचि और क्षमता अलग होती है। किसी को मैथ्स अच्छा लगता है, किसी को पेंटिंग में मजा आता है, तो कोई डॉक्टर बनना चाहता है। लेकिन जरूरी नहीं कि जो दूसरे कर रहे हों, आप भी वैसा ही करें। जबरन इंजीनियरिंग या मेडिकल की तैयारी में वक्त बर्बाद न करें।



बड़े काम की है फ्रीलांसिंग

आजकल अनेक प्रोफेशनल्स किसी कंपनी के एम्प्लॉयी के तौर पर कई-कई घंटे और वह भी असुविधाजनक समय पर, काम करने के बजाय फ्रीलांसर के तौर पर काम करना पसंद कर रहे हैं। अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए वे किसी कंपनी के ब्रांड नेम पर निर्भर रहने के बजाय अपनी प्रतिभा पर विश्वास कर रहे हैं।



यह बात खास तौर पर क्रिएटिव फील्ड से जुड़े लोगों पर लागू होती है, जैसे फोटोग्राफर, राइटर, कॉपी एडिटर, पेंटर, फैशन डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, कार्टूनिस्ट आदि। फ्रीलांसर के तौर पर आप ऐसे कई बंधनों से मुक्त हो जाते हैं, जो किसी कंपनी के रेगुलर एम्प्लॉयी के तौर पर आपको मानने पड़ते हैं।

काम के घंटे

फ्रीलांसर को 9 से 5 बजे तक ऑफिस में बैठकर काम नहीं करना होता। अगर आप सुबह देर से उठते हैं और रात देर तक काम करना चाहते हैं, तो फ्रीलांसर के तौर पर आप ऐसा कर सकते हैं। फ्रीलांसिंग में सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप अपनी सुविधा से अपना काम का समय चुन सकते हैं।

ऑफिस पॉलिटिक्स

हर ऑफिस में खेमेबाजी, राजनीति आदि होती ही है। कोई आपके काम का श्रेय लेने की फिराक में रहता है, कोई पीठ पीछे आपकी बुराई करता है। कोई लोग ऐसे माहौल में असहज हो जाते हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ काम नहीं कर पाते। अगर आप ऐसे लोगों में से हैं, जिन्हें इस तरह का माहौल कतई बर्दाश्त नहीं, तो फ्रीलांसिंग आपके लिए बेहतर ऑप्शन हो सकता है। यहाँ बस आप हैं और आपका काम है।

सैलरी

आपको मैनेजमेंट के साथ अपने वेतन और वेतनवृद्धि को लेकर मोलभाव नहीं करना होता। एक बार आपने

खुद को फ्रीलांसर के तौर पर स्थापित कर लिया, तो आप जो उचित समझे, उतना पैसा डिमांड कर सकते हैं। अगर आपका नाम हो गया, तो क्लाइंट्स आपकी डिमांड के अनुसार पैसा देने को तैयार रहेंगे।

बॉस

नौकरी करते हुए केवल अच्छा काम करना ही पर्याप्त नहीं होता, आपको अपने बॉस को भी खुश रखना होता है। तभी आपके काम को पहचान (और आपको तरक्की) मिलती है। मगर फ्रीलांसर के सामने ऐसी कोई मजबूरी नहीं होती। अगर आप अपने काम से अपने क्लाइंट्स को संतुष्ट कर दें, तो आपको मार्केट में पहचान मिल जाएगी। फिर वह क्लाइंट तो दोबारा आपके पास आएगा ही, दूसरे क्लाइंट्स भी आपका नाम सुनकर आपसे संपर्क करेंगे। यदि अधिक ऑफर्स हों, तो आप अपनी पसंद से क्लाइंट्स चुन सकते हैं। ऐसे लोगों के लिए काम करना जरूरी नहीं होता, जिन्हें आप पसंद नहीं करते।



टेलिफोनिक इंटरव्यू देते समय अपनाएं ये तरीके

इंटरव्यू से पहले

फोन इंटरव्यू कई लोगों के लिए डरावने भी हो सकते हैं क्योंकि आप सामने वाले को देख नहीं पाते और इंटरव्यूअर आपकी आवाज के टोन से आपके बारे में राय बनाएगा। कुछ तैयारी करके आप इस इंटरव्यू को आसान बना सकते हैं:

- अपना रेज्यूमे अपने सामने ही रखें।
- कागज और पेन तैयार रखें, ताकि कुछ नोट करने का काम पड़े तो यहां-वहां हाथ चालिए।
- अपनी उपलब्धियों की सूची उदाहरण सहित तैयार रखें। टेलिफोनिक इंटरव्यू का यह एक बड़ा फायदा है कि आप लिखी हुई सूची में से पढ़कर सुना सकते हैं।
- यह सुनिश्चित कर लें कि इंटरव्यू के दौरान आपके आसपास कोई शोर-गुल या किसी तरह का व्यवधान न हो। बच्चे, मित्र या पालतू आकर आपको डिस्टर्ब न करें। रेडियो-टीवी बंद हो। आसपास कोई दूसरा फोन भी न हो, जो अचानक इंटरव्यू के बीच बज उठे।
- अपने फोन में कॉल वॉटिंग को स्विच ऑफ कर लें, ताकि इंटरव्यू कॉल के

दौरान व्यवधान न हो।

- अगर इंटरव्यू मोबाइल फोन पर दे रहे हैं, तो फोन को पहले ही पूरी तरह चार्ज कर लेना न भूलें।
- फोन पर इंटरव्यू देने की प्रेक्टिस करें और अपनी आवाज को रेकॉर्ड करके सुनें। उसमें जो भी कमी लगे, उसे सुधारने का प्रयास करें।
- माना कि इंटरव्यूअर आपको देख नहीं सकता लेकिन अगर आप इंटरव्यू के दौरान थोड़े फॉर्मल कपड़े पहनेंगे, तो इसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ेगा और आप प्रोफेशनलिज्म से इंटरव्यू दे पाएंगे।
- पानी का ग्लास जरूर अपने पास रखें।



- दिखाई दे जाएगा।
- शुरूआत में ही इंटरव्यूअर का नाम पूछ लें और इंटरव्यू के दौरान बार-बार उन्हें सम्मानपूर्वक नाम लेकर संबोधित करें।
- इंटरव्यूअर की बात कतई न काटें।
- इंटरव्यू की समाप्ति पर इंटरव्यूअर को धन्यवाद दें और चयन प्रक्रिया के अगले चरण के बारे में पूछ लें।

इंटरव्यू के दौरान

- कुछ क्षण चाहिए।
- बहुत तेज या जोर से न बोलें।
- बोलते समय मुस्कुराते रहें। इंटरव्यूअर भले ही आपको देख न पाए लेकिन मुस्कुराहट का प्रभाव आपकी आवाज में

- कुछ भी खाएं या चबाएं नहीं। धूम्रपान भी कतई न करें।
- बिस्तर पर बैठकर बात न करें। इससे आपकी आवाज में एक डनाफॉर्मल अंदाज झलक ही जाएगा, जो ठीक नहीं है।
- अगर किसी सवाल का जवाब देने के लिए आपको कुछ सोचना पड़े, तो अटपटी खामोशी न पसरने दें। स्पष्ट रूप से कहें कि आपको इसका जवाब सोचने के लिए

आजकल अवसर कंपनियों नौकरियों के लिए उम्मीदवारों को शॉर्ट-लिस्ट करने, इंटरव्यू का खर्च कम करने या फिर दूसरे शहरों के उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग के लिए टेलिफोनिक इंटरव्यू लेती हैं। जो भी हो, आखिरकार यह है तो जॉब इंटरव्यू ही और अगर आप ऐसा इंटरव्यू दे रहे हैं, तो आपके लिए यह अधिक चुनौतीपूर्ण है क्योंकि आपको केवल अपनी आवाज से ही इंटरव्यूअर को प्रभावित करना है। आपको यह भी लग सकता है कि टेलिफोनिक इंटरव्यू देना तो आसान है क्योंकि यहां आपको इंटरव्यू बोर्ड को अपने कपड़ों, बॉडी लैंग्वेज आदि से इम्प्रेस नहीं करना लेकिन यह बात पूरी तरह सच नहीं है। वृत्ति इंटरव्यूअर आपको देख नहीं

सकता, सो वह आपके प्रत्येक जवाब का अधिक बारीकी से अध्ययन करेगा। ऐसे में हर सवाल का जवाब बिल्कुल सटीक होना जरूरी हो जाएगा। बेहतर यही होगा कि आप अपने टेलिफोनिक इंटरव्यू की अच्छी-खासी तैयारी कर लें। आम तौर पर उम्मीदवार को पहले से ही इंटरव्यू कॉल के दिन और समय के बारे में सूचित कर दिया जाता है। उस हिसाब से नियत दिन और समय पर तैयार रहें। अगर आपको अचानक ऐसे समय कॉल आ जाता है, जब आप किसी शोर-गुल वाली जगह पर या फिर बाथरूम में हैं, तो क्षमा मांगते हुए उससे कहिए कि कृपया थोड़ी देर बाद कॉल करें। मगर ध्यान रखें, हो सकता है कि आपको त्वरित तौर पर इंटरव्यू देना ही पड़े, सो इसके लिए तैयार रहें।



ऑफिस एटिकेट

ऑफिस में आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप एक खास तरह से खुद को प्रस्तुत करें। आपको अपने कपड़ों, अपनी बालवाल, बॉडी लैंग्वेज आदि का लगातार ध्यान रखना होता है। जब आप फ्रीलांसर के तौर पर घर से ही काम करते हैं, तो आप चाहे जैसे कपड़े पहन सकते हैं, बीच में किसी से बिंदास गपशप भी कर सकते हैं। कुर्सी पर पैर चढ़ाकर काम करना चाहते हैं, तो इसके लिए भी यहां कोई आपको नहीं टोकेगा।

चुनौतियां भी कम नहीं

ऐसा नहीं है कि फ्रीलांसिंग में मजा ही मजा है। इसमें आपको मेहनत तो करनी ही होती है, साथ ही इसमें खतरा भी है। यहां आपको हर महीने तयशुदा दिन तयशुदा सैलरी नहीं मिलती। जब जितना काम किया,

उस हिसाब से पैसे मिलेंगे। अपनी मार्केटिंग आपको खुद करनी होती है। नेटवर्किंग, पीआर, क्लाइंट मैनेजमेंट आदि अच्छा होने पर ही फ्रीलांसर के रूप में आप सफल रह सकते हैं। यह काम अपना बिजनेस चलाने की तरह ही है। अच्छा-बुरा जो भी हो, उसके लिए आप ही जिम्मेदार होते हैं। बेहतर यही होगा कि जॉब छोड़ने से पहले आप फ्रीलांसिंग की दुनिया की जांच-परख कर लें। यहां सबसे बड़ी चुनौती मार्केट में खुद को स्थापित करना होता है। स्थापित होने में, क्लाइंट्स को आकर्षित करने में समय भी लगता ही है। अगर आप जॉब छोड़कर फ्रीलांसिंग करने की सोच रहे हैं, तो समझदारी इसी में है कि आप एकाध साल गुजारा करने जितना पैसा अलग से सुरक्षित रखें। वैसे बेहतर यही होगा कि आप जॉब में रहते हुए फ्रीलांसिंग शुरू कर दें और यह काम जम जाने के बाद ही जॉब छोड़ें।



पर्सनल शॉप को अपने क्लाइंट्स की जरूरत, पर्सनल पसंद, उनकी लाइफस्टाइल और शारीरिक बनावट का ख्याल रखते हुए खरीदारी करनी होती है।

शॉपिंग के साथ कमाई भी करें!

प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में संतुलन बनाने हुए अगर खुद ही शादी की शॉपिंग करनी पड़े, तो मुश्किल हो जाती है। खासकर जब आप लेटेस्ट फैशन ट्रेंड से पूरी तरह वाकिफ न हों और मन में उलझन हो कि कहीं आप आउटडेटेड न लगें। ऐसे में पर्सनल शॉपिंग की सेवाएं बड़ी काम आती हैं। जी हाँ, विदेशों में अक्सर प्रोफेशनल्स, सॉलिडिटीज आदि पर्सनल शॉपर्स को हायर करते हैं। इधर वैडिंग प्लानर, ग्रूमिंग एक्सपर्ट के बाद अब भारत में पश्चिम का यह ट्रेंड भी लोकप्रिय हो रहा है। यानी जिनके पास समय की कमी है, वे पर्सनल शॉपर्स की सेवा ले सकते हैं। अब अगर आप भी सामान्य के बजाय कोई 'हटकर' और क्रिएटिव जॉब करना चाहते हैं, जिसमें आर्थिक स्थिरता के साथ-साथ मजा भी आए, तो पर्सनल शॉपिंग एक शानदार विकल्प हो सकता है।

क्लाइंट्स की पसंद अहम

पर्सनल शॉपिंग को अपने क्लाइंट्स की जरूरत, पर्सनल पसंद, उनकी लाइफस्टाइल और शारीरिक बनावट का ख्याल रखते हुए खरीदारी करनी होती है। साथ ही, एक विश्वास कायम करना होता है कि वे उनकी सलाह को मानें और उनके कहे अनुसार कपड़े या एक्सेसरी खरीदें। उन्हें फैब्रिक, मटेरियल, कट्स और कलर्स की जानकारी भी रखनी होती है। तभी वे लोगों को सही सुझाव दे सकते हैं। जैसे दुल्हन की शॉपिंग के लिए एक निश्चित बजट निर्धारित होता है लेकिन मार्केट में बूटिक, कूटर स्टोर्स, डिजाइनर वेयर्स आदि इतने ऑप्शंस होते हैं कि उन्हें देखते हुए किसी का भी चकरा जाना स्वाभाविक है। ऐसे में एक पर्सनल शॉपिंग उन्हें सही खरीदारी के बारे में निर्णय लेने में मदद कर सकता है। ब्राइडल शॉपिंग में दुल्हन के अलावा मित्रों और रिश्तेदारों आदि के लिए भी उपहार आदि की शॉपिंग करनी होती है। इसलिए सबकी पसंद की जानकारी रखनी होती है।

वॉलिफिकेशन और रिकल्स

इस फील्ड में आने के लिए किसी विशेष एजुकेशनल वॉलिफिकेशन की दरकार नहीं होती। हालांकि फैशन डिजाइनिंग, रिटेल मैनेजमेंट, सेल्स एंड मार्केटिंग आदि में एमबीए करने से फायदा होता है। इसके अलावा, आप पर्सनल शॉपिंग में ऑनलाइन

सर्टिफिकेट कोर्स भी कर सकते हैं। एक पर्सनल शॉपिंग को काम के दौरान पहले क्लाइंट की पृष्ठभूमि के बारे में रिसर्च करनी होती है। वे कौन-सा ब्रांड पसंद करते हैं, उनका बजट कितना है आदि बातों पर गौर करना पड़ता है। इसके लिए वह क्लाइंट के साथ ईमेल, फोन द्वारा या फिर रूबरू संपर्क बनाए रखता है। हाँ, आपका अच्छा श्रोता होना जरूरी है। आपके पास क्रिएटिव और इन्वेंटिव आइडियाज भी होने चाहिए। एक पर्सनल शॉपिंग को गोल ऑरियेंटेड और सेल्फ मोटिवेटेड होना चाहिए। उसमें धैर्य, कम्युनिकेशन, सेल्स, एंटरप्रेन्योर और ऑर्गनाइजेशनल स्किल्स के साथ-साथ लचीलापन और आत्मविश्वास भी भरपूर होना चाहिए।

स्पेशलाइज्ड शॉपिंग

पर्सनल शॉपर्स गिफ्ट, क्लोदिंग, फूड, फर्नीचर, ज्वेलरी, खिलौने आदि किसी भी चीज की शॉपिंग में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। ये बड़े बिजनेस घरानों के लिए डिजाइनर क्लोदिंग, होम फर्नीचर और दूसरे आइटम्स की शॉपिंग भी करते हैं। इन दिनों कई कंपनियां अपने क्लाइंट्स को गिफ्ट देने के लिए भी पर्सनल शॉपर्स की मदद लेने लगी हैं। वहीं कई वरिष्ठ नागरिक घरेलू सामान की खरीदी के लिए इनकी सहायता ले रहे हैं। इन सबके अलावा, पर्सनल शॉपर्स शादी समारोहों, बेबी शायर (गोद भराई), जन्मदिन पार्टी, वैलेंटाइन डे, त्योहारों आदि के लिए भी शॉपिंग करते हैं।

काम के अवसर

एक आम शख्स जब पर्सनल शॉपिंग को हायर करने के बारे में सोचता है, तो पहला ख्याल आता है कि उनकी सेवा सिर्फ एलिट क्लास ही ले सकती है। मगर आज भारत में जिस तरह रिटेल मार्केट बढ़ रहा है, लोगों की मानसिकता बदल रही है, क्रय क्षमता बढ़ रही है, ऐसे में बहुत-से वर्किंग प्रोफेशनल्स भी पर्सनल शॉपर्स को हायर करने लगे हैं। इसके अलावा, बड़े कॉर्पोरेट्स और ब्रांडिंग एजेंसीज अर्बोर्ड शोज, कॉन्फ्रेंस आदि के लिए इनकी सेवाएं ले रही हैं। वैसे आप चाहें, तो किसी बूटिक, डिपार्टमेंटल स्टोर या शॉपिंग सेंटर में भी काम कर सकते हैं या फिर खुद का बिजनेस शुरू कर सकते हैं। आम तौर पर पर्सनल शॉपिंग 25,000 रुपये से 1 लाख रुपये महीना कमा सकते हैं।